सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 325 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 7 सितंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

भारत के सौर मिशन आदित्य एल1 ने ली सेल्फी, इसरो ने साझा की तस्वीर

बंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के सौर मिशन आदित्य एल1 ने एक सेल्फी ली है। इस सेल्फी में आदित्य एल1 के कई उपकरण दिखाई दे रहे हैं। इसरो ने सोशल मीडिया पर इसे साझा किया है। यह सेल्फी आदित्य एल1 में लगे कैमरे में कैद हुई है। आदित्य एल1 को दो सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। 128 दिन की अंतरिक्ष की यात्रा पूरी करने के बाद आदित्य एल1 पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर लैग्रेंजियन पॉइंट के हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। आदित्य एल1 पर लगे पेलोड सूरज की रोशनी, प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करेंगे।

लैग्रेंजियन पॉइंट पर हेलो ऑर्बिट में स्थापित सैटेलाइट को कई फायदे हैं। दरअसल यहां से बिना किसी रुकावट के लगातार सूरज पर नजर रखी जा सकती है। यहां से सूरज पर होने वाली गतिविधियों और इसके अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा। आदित्य एल1 पर लगे पेलोड सूरज की फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूरज की सबसे बाहरी परत कोरोना के बारे में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और चुंबकीय क्षेत्र की मदद से अध्ययन करेंगे। आदित्य एल1 के सात पेलोड में से चार लगातार सूरज पर नजर रखेंगे, वहीं बाकी तीन पेलोड लैग्रेंजियन पॉइंट पर मौजूद अणुओं और वहां के हालात का अध्ययन करेंगे।

अनोखी पहलः 97 हजार 654 छात्रों ने लिखा पोस्टकार्ड, कलेक्टर भी बैठकर लिखने लगे

बालोद। बालोद जिला प्रशासन बालोद जिले में शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को पूरा करने नए-नए माध्यमों से लोगों को जागरूक कर रहे हैं।आज बालोद जिले में कुल 97 हजार 654 पोस्टकार्ड मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लिखवाए गए। इस दौरान कक्षा छठवीं से लेकर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विचारों से दोस्तों, परिवार जनों सभी को मतदान के लाभ से अवगत कराया।

लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सेदारी करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा भी इस आयोजन में पहुंचे। जहां वे बच्चों के साथ खुद भी पोस्ट कार्ड लिखने बैठ गए।

सिंगल नाम के चक्कर में 45 सीटों पर प्रत्याशी तय नहीं कर पाई कांग्रेस

15 सीटों पर दो नाम, टिकट की घोषणा में हो सकता है और विलम्ब, करना होगा थोड़ा और इंतजार

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। कांग्रेस में टिकट का इंतजार और लम्बा हो गया है। पिछले दिनों हुई कवायद के बाद प्रदेश चुनाव समिति ने 30 सिंगल नाम तय किए थे। इसके अलावा 15 सीटों पर डबल नाम तय किए गए। बाकी बची 45 सीटों पर कोई फैसला नहीं हो पाया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गुरूवार को रायपुर में कार्यक्रम है। उसके बाद पहली सूची जारी होने की बातें कही जा रही थी, लेकिन अब पता चला है कि पहली सूची के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। पहली सूची में मुख्यमंत्री व उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों समेत लगातार जीतने वाले विधायकों के नाम शामिल हैं।

कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन से लेकर सीएम हाउस तक बैठकों का चला दौर भी टिकट की घोषणा तक नहीं पहुंच पाया है। कांग्रेस चुनाव समिति की कई दौर की मैराथन मीटिंग हो चुकी है। इन बैठकों के बाद 90 में से 45 सीटों पर चर्चा हो चुकी है। 30 सीटों पर सिंगल नाम तय हो चुके हैं। इनमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कई वरिष्ठ विधायकों के नाम शामिल हैं। वहीं 15 सीटों पर दो नामों का पैनल है। असल प्रेशर डबल या इससे ज्यादा नाम के पैनल वाली सीटों का है, जिसमें उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने के लिए कांग्रेस लगातार एक्सरसाइज कर रही है। कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे विधायकों को रायपुर और दिल्ली के चक्कर काटने की बजाय क्षेत्र में जाकर मेहनत करने की नसीहत दे रहे हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के छत्तीसगढ़ दौरे के बाद स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में सूची पर अंतिम मुहर लगेगी। 30 सीटों पर टिकट लॉक करने के बाद कांग्रेस डबल नाम वाले पैनल के पेंच में उलझ गई है। क्योंकि उसकी कोशिश है कि जहां तक संभव हो, हर सीट पर सिंगल नाम ही भेजे जाएं। यही वजह है कि कांग्रेस में टिकट का इंतजार थोड़ा और लंबा हो सकता है। कांग्रेस में टिकट को लेकर चल रही माथापच्ची पर भाजपा ने चुटकी ली है।

मुश्किल सीटों पर आचार संहिता के पहले नाम घोषित करने की रणनीति पर काम कर रहे दोनों ही प्रमुख दलों के लिए कई तरह की दिक्कतें पेश आ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत तो कार्यकर्ताओं की नाराजगी ही है। इसीलिए स्थानीय स्तर पर पर्यवेक्षक और प्रवासी विधायकों को भेजकर टोह ली जा रही है। भाजपा ने पखवाड़ेभर पहले ही 21 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी थी। उसके बाद कांग्रेस की सिरदर्दी बढ़ गई और उस पर भी जल्द से जल्द पहली सूची घोषित करने का दबाव है, लेकिन तमाम तरह की कवायद के बाद भी कांग्रेस की पहली सूची आने में लगातार विलम्ब हो रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में निराशा गहरा रही है। दूसरी ओर भाजपा दूसरी सूची जारी करने की तैयारी में है। दोनों ही दलों की सूची इसी हफ्ते आने की संभावना जताई गई है।

इन विधायकों की टिकट तय!

भूपेश बघेल पाटन, टीएस सिंहदेव अंबिकापुर, ताम्रध्वज साहू दुर्ग ग्रामीण, रविंद्र चौबे साजा, मो अकबर कवर्धा, शिव डहरिया आरंग, अमरजीत भगत सीतापुर. गुरु रुद्रकुमार नवागढ़, कवासी लखमा कोंटा, उमेश पटेल खरसिया, मोहन मरकाम कोंडागांव, जय सिंह अग्रवाल कोरबा, अनिला भेड़िया, डौंडीलोहारा, चरणदास महंत सक्ती, संतराम नेताम केसकाल, अरुण वोरा दुर्ग शहर, देवेन्द्र यादव भिलाई नगर, अमितेश शुक्ला राजिम, धनेंद्र साहू अभनपुर, विकास उपाध्याय रायपुर पश्चिम, गुलाब कमरो भरतपुर सोनहट, दलेश्वर साहू डोंगरगांव, द्वारिकाधीश साहू खल्लारी, आशीष छाबड़ा बेमेतरा, विक्रम मंडावी बीजापुर, उत्तरी जांगड़े सारंगढ़, लखेश्वर बघेल बस्तर, रामपुकार सिंह पत्थलगांव, लालजीत राठिया धर्मजयगढ़, पुरुषोत्तम कंवर कटघोरा, शैलेश पांडे बिलासपुर, विनोद चंद्राकर महासमुंद।

8 सितम्बर को कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होनी है। इसमें चुनाव समिति द्वारा तय किए गए नामों पर विचार-विमर्श होगा।

भाजपा भी काटेगी विधायकों के टिकट

भाजपा में दूसरी सूची की प्रतीक्षा जल्द ही खत्म होने की संभावना है। इसके लिए प्रदेश स्तर पर कवायद पूरी हो गई है, अब सिर्फ दिल्ली से घोषणा होना ही बाकी है। पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में नामों का ऐलान किया जाएगा। भाजपा की दूसरी सूची में बस्तर और सरगुजा की कई सीटों के साथ कुछ मौजूदा विधायकों की दावेदारी पर भी पार्टी फैसला ले सकती है। संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी इस बार विधायकों का टिकट भी काटने के मूड में है। भाजपा इस बार दो दर्जन महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी में है। पार्टी ने पहली सूची में पांच महिलाओं को टिकट दिया है। दुर्ग जिले की दो सीटों पर महिलाओं को लड़ाए जाने की भी खबर आ रही है। इसकी घोषणा संभवतः दूसरी या तीसरी सूची में की जा सकती है। इस सूची पर संघ के फीडबैक का प्रभाव होने के आसार हैं।

शिवनाथ नदी पुराने पुल से फिर एक युवक ने लगाई छलांग, आधी रात पार्टी के बाद उठाया खौफनाक कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के सुसाइड प्वाइंट बन चुके शिवनाथ नदी पुराने पुल से फिर एक युवक ने छलांक लगा दी। बुधवार आधी रात लगभग 12:30 बजे युवक पुरानी पुल के पास पहुंचा और अपनी बाइक खड़ी करने के बाद नदी में छलांग लगा दी। छलांग लगाने से पहले युवक ने अपना पर्स व मोबाइल बाइक के पास ही छोड़ दिया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की पहचान उमाकांत साहू (24) के रूप में की। फिलहाल युवक की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बोरसी निवासी उमाकांत साहू अपने कुछ दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था। सभी दोस्त अंजोरा रोड स्थित हमारा ढाबा में पार्टी की। रात लगभग 12 बजे उमाकांत को छोड़ बाकी सभी दोस्त कार से निकल गए। वहीं उमाकांत बाइक से शिवनाथ नदी के पुराने पुल के पास पहुंचा। अपनी बाइक खड़ी की और मोबाइल, पर्स व आधारकार्ड वहीं छोड़कर नदी में छलांग लगा दी। आसपास मौजूद कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी और इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

गुरुवार सुबह फिर शुरू हुआ रेस्क्यू

युवक द्वारा छलांग लगाने के बाद रात ज्यादा होने के कारण रेस्क्यू शुरू नहीं किया जा सका। गुरुवार की सुबह रेस्क्यू शुरू किया गया लेकिन खबर लिखते तक युवक का कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलगांव पुलिस स्थानीय मछुवारों के साथ एसडीआरएफ की टीम भी रेस्क्यू कार्य में लगी हुई। बता दें इन बीते कुछ दिनों मे शिवनाथ नदी पुराने पुल से लगातार सुसाइड की घटनाएं हो रही है। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा यहां पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं।

कुत्ते ने उतारा 'नमक का कर्ज', सांड से भिड़कर बचा ली बच्ची की जान

नोएडा (एजेंसी)। कुत्तों को यूं ही सबसे वफादार जानवर नहीं कहा जाता। पालतू कुत्ते तो मालिक से वफादारी निभाते ही हैं, ग्रेटर नोएडा में गली के एक कुत्ते ने जो किया उसको देखकर लोग दंग हैं। जिस कुत्ते को अक्सर लोग गली में कुछ खाने को दे दिया करते थे उसने 'नमक का कर्ज' उतारते हुए एक बच्ची की जान बचा ली। दनकौर के समसपुर गांव में आवारा सांड ने स्कूल जा रही एक बच्ची पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने सांड को भगाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। पास ही मौजूद एक कुत्ता बच्ची को बचाने के लिए सांड से भिड़ गया।

ओमवीर नागर की आठ वर्षीय भतीजी तपस्या कक्षा तीन की छात्रा है। बुधवार की सुबह रोजाना की तरह उनकी भतीजी स्कूल बस के लिए गांव से पैदल जा रही थी। इस दौरान गांव की गली से एक आवारा सांड उसके पीछे भागने लगा। इस दौरान बच्ची ने काफी बचने का प्रयास किया, लेकिन बच्ची को सांड ने जमीन पर पटक दिया।

कई मिनटों तक जमीन पर पटककर सांड सींगों से हमला करता रहा। आसपास के लोग भी उसको बचाने आए। लेकिन सांड की डर की वजह से सब दूर से ही शोर करने लगे। पास ही मौजूद कुत्ते ने सांड के पास जाकर उसपर हमला किया। आखिरकार सांड बच्ची को छोड़कर भाग गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव में कई आवारा सांड मुख्य रोड पर रात दिन घूमते रहते हैं, जिसकी शिकायत प्राधिकरण के अधिकारियों से की गई है, लेकिन उसका अभी तक समाधान नहीं हुआ। इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

सारे जग को अपनी अनुपम लीलाओं से मोहित करने वाले महान योगी को कोटि-कोटि प्रणाम
All Kind of
Fancy Dupatta &
Dress & Materials
Wholesaler
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक मंगलकामनाएं
S.S.D. ENTERPRISES
S-11, Gate No.8, Textile Market, Pandari, Raipur, Mo.-9300882189

तेज बारिश से तालाब बना आकाशगंगा मार्केट, दुकानों में घुसा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जन्माष्टमी के दिन गुरुवार की सुबह हुई बारिश के कारण पूरा शहर तरबतर हो गया है। भिलाई शहर की निचली बस्तियों में पानी भरना आम है लेकिन इस बार आकाशगंगा सुपेला बाजार पूरा पानी पानी हो गया। आकाशगंगा मार्केट के गार्डन सहित दुकानों में पानी भर गया। ज्वेलरी दुकानों से लेकिर फर्नीचर व इलेक्ट्रानिक दुकान जलमग्न हो गए। सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया। इस दौरान दुकानदार निगम प्रशासन को कोसते दिखे।

बता दें गुरुवार को सुबह से ही भिलाई में तेज बारिश का दौर जारी है। लगभग दो घंटे हुई तेज बारिश के कारण जगह जगह जल भराव हो गया। सुपेला में निर्माणाधीन अंडरब्रिज के कारण रेलवे ट्रैक से लगे नाले को बंद कर दिया गया जिसका असर आकाशगंगा मार्केट में देखने को मिला। दरअसल बारिश के पानी को निकालने के लिए ट्रैक से लगे नाले को जोड़ते हुए मार्केट से कनेक्टिंग नाली खोदी गई। लेकिन अब इस नाले का पानी मार्केट की ओर बहने लगा जिससे गुरुवार को पूरा मार्केट पानी पानी हो गया। मार्केट के दुकानदार घंटों मशक्कत करते रहे लेकिन पानी का बहाव कम नहीं हो पाया।

छत्तीसगढ़ में 2800 शतायु मतदाता

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का पुनरीक्षण चल रहा है। इसमें बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता भी शामिल हैं जिनका जन्म ब्रिटिश भारत में हुआ था। आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव में भी इन्होंने मतदान किया था। इन्होंने भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का कार्यकाल देखा है। ये राज्यों के बनते-बिगड़ते नक्शे और तमाम राजनीतिक जोड़तोड़ के प्रत्यक्षदर्शी हैं। इन्होंने वह भारत भी देखा है जो अंग्रेजों के खिलाफ खड़ा था और यह भारत भी देख रहे हैं जो आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने भाईचारे का दौर भी देखा और नफरत की फसल भी देख रहे हैं। उन्होंने उस भारत को भी देखा है जिसने तिल-तिल कर खुद को गढ़ा और आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनकर खड़ा है। वे उस भारत को भी देख रहे हैं जो इस भारत को अब सिर्फ अपने लिये चाहता है। ऐसे लोग सिर्फ छत्तीसगढ़ नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी बड़ी संख्या में हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले चुनाव के दौरान शतायु लोगों की संख्या 2948 थी। इस साल संख्या कुछ कम हुई है पर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य अभी जारी है। राजस्थान की मतदाता सूची की बात करें तो वहां पिछले चुनाव में शतायु मतदाताओं की संख्या लगभग 25 हजार थी। गुजरात में पिछले चुनाव के दौरान शतायु मतदाताओं की संख्या 10 हजार से अधिक थी। 80 साल की आयु पार करने वाले बुजुर्गों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में 24.5 लाख, राजस्थान में 13.17 लाख, मध्यप्रदेश में 6.45 लाख, पंजाब में 5.25 लाख, हरियाणा में 3.5 लाख है। शतायु लोगों की लगभग सभी प्रदेशों में अच्छी खासी संख्या है। यह अकेला आंकड़ा यह बताने के लिए काफी है कि भारत ने आजादी के बाद के सालों में कितनी तरक्की की है। जीवन स्तर और जीवन प्रत्याशा कितना ऊपर उठा है। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा फिलहाल 70.42 वर्ष है। अमेरिका और चीन में औसत जीवन प्रत्याशा क्रमशः 77.28 और 78.08 है। 1947 में भारतीयों की औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 32 वर्ष थी। इसकी वजह थी प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों और संक्रामक बीमारियों से लोगों की अकाल मृत्यु। इसके अलावा चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में भी लोग मामूली बीमारियों से जान गंवा देते थे। प्रसव जनित मृत्यु के आंकड़े भी भयावह थे। पिछले 75 सालों में भारत ने इन सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है और सभी क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। इसलिए अगर कोई यह कहता है कि भारत ने पिछले 75 साल में कुछ नहीं किया तो इसे कोरी जुमलेबाजी या फिर राजनीति प्रेरित उक्ति ही कहा जाना चाहिए। बहरहाल, इस शतायु लोगों की चर्चा करने का उद्देश्य यहां भिन्न था। आशय उस लाइफ-स्टाइल, उस जीवन पद्धति की तरफ दुनिया का ध्यान आकर्षित करना था जो लोगों को शतायु बनाता है। अधिकांश शतायु गांवों में रहते हैं। वो केवल घर का खाना खाते हैं। कोई सप्लीमेंट नहीं लेते। अपना सारा काम खुद करते हैं।

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे
शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)
Harsh Media Advertisers
अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

संपादकीय

विशेष सत्र की चिंता

देश में जब राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है, तब जनसभाओं, बैठकों और विशेष विमर्शों के विषय व मौके भी स्वाभाविक ही बढ़ गए हैं। जब केंद्र सरकार ने संसद के आगामी विशेष सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं किया है, तब विपक्षी दलों की बेचैनी व सक्रियता को सहज ही समझा जा सकता है। यह सियासी बेचैनी या संशय का ही परिणाम है कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विशेष संसद सत्र के दौरान नौ मुद्दों पर चर्चा के लिए पत्र लिखा है। विशेष सत्र के दौरान किन मुद्दों को उठाने की सलाह सरकार को देनी है, इस पर चर्चा मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के बीच भी हुई थी। चर्चा के कुछ मुद्दे मंगलवार को ही उजागर हो गए थे और अब आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर विपक्ष ने अपनी ओर से दबाव बढ़ा दिया है। चुनाव जब करीब हों, तब ऐसी राजनीति स्वाभाविक है। इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि लोगों का ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी राजनीति होती है और लोग हर क्रिया के बाद प्रतिक्रिया का इंतजार करते हैं। जाहिर है, विपक्ष ने विशेष सत्र में चर्चा के विषय सुझाकर गेंद अब सत्ता पक्ष के पाले में डाल दिया है। अब कांग्रेस या विपक्ष ने जिन मुद्दों पर जोर दिया है, उन्हें देखना और समझना जरूरी है। विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, मौजूदा आर्थिक स्थिति, अडाणी समूह पर हालिया खुलासे पर भी चर्चा की मांग की है। देश के संघीय ढांचे पर कथित हमले, कई राज्यों में हाल ही में आई बाढ़, प्राकृतिक आपदाओं, भारत-चीन सीमा पर स्थिति, देश के विभिन्न हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव की घटनाओं के साथ ही मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की मांग हुई है। जाहिर है, अपने पत्र में सोनिया गांधी ने सत्र के लिए सरकार के एजेंडे में पारदर्शिता की कमी की ओर इशारा किया है। विशेष सत्र की घोषणा 31 अगस्त केंद्र सरकार ने की थी, पर अभी तक इस सत्र का एजेंडा स्पष्ट नहीं किया गया है। विपक्ष इस बात से भी नाखुश है कि विशेष सत्र बिना उससे परामर्श के बुलाया गया है। विपक्ष का यह भी आरोप है कि देश में संसद का विशेष सत्र बुलाते हुए पहली बार एजेंडा स्पष्ट नहीं किया गया है। 18 से 22 सितंबर के बीच यह सत्र होगा, जिसमें सरकार की ओर से यही संकेत है कि सामान्य कामकाज होगा। खैर, यह बात कोई भी समझ सकता है कि विशेष सत्र किसी विशेष मकसद से ही होने वाला है। खैर, सत्ता पक्ष अपना एजेंडा बाद में स्पष्ट करेगा, लेकिन विपक्ष ने अपना एजेंडा साफ बता दिया। कुछ संभावनाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं कि अगर विपक्ष के मनमुताबिक विषय न हुए या विपक्ष के हिसाब से विषय नहीं उठाए गए, तो संसद के विशेष सत्र में हंगामा या बहिष्कार तय है। विपक्ष को बिना विश्वास में लिए सत्ता पक्ष सदन में अपने लिए परेशानी ही बढ़ाएगा। लोकतंत्र में परस्पर विश्वास और सहयोग से चलना ही बेहतर होता है। देशहित में अगर पक्ष और विपक्ष के बीच उच्च स्तर पर जरूरी संवाद भी नहीं हो पा रहा है, तो यह अलग से चिंता का विषय है। संसदीय गरिमा बनी रहनी चाहिए। जरूरी संवाद के अनेक मुद्दे हैं। विपक्ष के पत्र में जाति जनगणना पर चर्चा की मांग की गई है और इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि जनगणना की कमी के चलते 14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा अधिनियम से बाहर हो गए हैं। ध्यान रहे, विशेष सत्र में आम लोगों की निगाहें सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्षी नेताओं के आचरण पर भी टिकी रहेंगी।

> विपक्ष इस बात से भी नाखुश है कि विशेष सत्र बिना उससे परामर्श के बुलाया गया है। विपक्ष का यह भी आरोप है कि देश में संसद का विशेष सत्र बुलाते हुए पहली बार एजेंडा स्पष्ट नहीं किया गया है। 18 से 22 सितंबर के बीच यह सत्र होगा, जिसमें सरकार की ओर से यही संकेत है कि सामान्य कामकाज होगा। खैर, यह बात कोई भी समझ सकता है कि विशेष सत्र किसी विशेष मकसद से ही होने वाला है।

मेजबान का फर्ज निभाया

जिस समूह का शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले एक साझा घोषणापत्र तैयार करने के लिए ही जद्दोजहद चल रही हो, उससे कितनी आशा रखी जा सकती है, यह खुद जाहिर है। इस जद्दोजहद में कामयाबी मिलने की संभावना भी न्यूनतम ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन से ठीक पहले इस समूह के सदस्य देशों से प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने की अपील कर मेजबान का फर्ज निभाया है। वरना, उनके इस विचार से आज की दुनिया में कम ही लोग सहमत होंगे कि दुनिया आज की खास समस्याओं के समाधान के लिए इस मंच की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। जिस समूह का शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले एक साझा घोषणापत्र तैयार करने के लिए ही जद्दोजहद चल रही हो, उससे कितनी आशा रखी जा सकती है, यह खुद जाहिर है। इस जद्दोजहद में कामयाबी मिलने की संभावना भी न्यूनतम ही है। पश्चिमी देश अड़े हुए हैं कि घोषणापत्र में यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की निंदा जरूर होनी चाहिए। रूस और चीन इस पर राजी होंगे, यह सोचना भी कठिन है। दूसरी तरफ खबर है कि भारत घोषणापत्र में वसुधैव कुटम्बकम का उल्लेख करना चाहता है, जिस पर चीन सहित कई देशों ने एतराज जताया है। बारीक कूटनीति से इस आपत्ति को दूर करने में सफलता मिल सकती है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर सहमति बनना असंभव है।

बहरहाल, ये मतभेद तात्कालिक समस्याओं से पैदा हुए हैं। लेकिन जी-20 की मुख्य समस्या इसके अस्तित्व का संदर्भ बदल जाना है। इस समूह को भूमंडलीकरण का मिल-जुल कर प्रबंधन करने के लिए बनाया गया था। अब भूमंडलीकरण की प्रक्रिया ही उलटी दिशा में चल पड़ी है। इस परिघटना की जड़ में पश्चिमी खेमे और चीन-रूस के नेतृत्व में बन रहे खेमे के बीच खाई बढ़ते जाना है। इसके मद्देनजर जहां पश्चिमी देशों की निगाह में अपने समूह जी-7 का महत्त्व फिर से लौट आया है। दूसरी तरफ ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन जैसे मंचों के विकासशील देश अपने माफिक विश्व ढांचे को खड़ा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की इच्छा के मुताबिक नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में जी-20 जलवायु परिवर्तन, ऋण संकट या विकास के बड़े सवालों पर कोई आम सहमति बना पाएगा, इसकी संभावना कम है। इसीलिए इस सम्मेलन को ऐसा उत्सव समझा जा रहा है, जिसमें सार-तत्व का अभाव है।

उपाय क्यों कारगर नहीं?

भारत सरकार की आयात-निर्यात नीति में अस्थिरता से किसान या अन्य उत्पादक तबकों के लिए समस्याएं खड़ी होती हैं। हाल में जब प्याज का सवाल आया, तो आखिरकार सरकार को यह वादा करना पड़ा कि सरकार किसानों से प्याज की खरीदारी ऊंची कीमत पर करेगी, ताकि निर्यात रोकने के फैसले से उन्हें नुकसान नहीं होगा। बहरहाल, देखने की बात यह है कि जिस मकसद से खाद्य पदार्थों का निर्यात हाल में रोका गया है, क्या उसमें कामयाबी मिली है? भारत ने पहले गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी। अब गैर-बासमती और बासमती चावल के निर्यात पर भी कई तरह की रोक लगा दी गई है। लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि इन कदमों से खाद्य महंगाई पर काबू पाने में आंशिक राहत ही मिली है। जुलाई में भारत में खाद्य महंगाई 11.5 फीसदी रही। यह तीन साल में सबसे उच्चतम स्तर था। अध्ययनों के मुताबिक पिछले पांच साल में भारत में सामान्य खाने की थाली का दाम 65 फीसदी बढ़ा है, जबकि इस दौरान लोगों की कमाई सिर्फ 37 फीसदी बढ़ी है। यानी खाने पर लोगों का खर्च काफी ज्यादा बढ़ गया है। इस संकट के कई कारण चर्चा में हैं। इस सिलसिले में अल नीनो के प्रभाव के चलते कमजोर होते मॉनसून, सरकार के भंडार में घटते अनाज, फ्री राशन स्कीम की जरूरतें आदि की चर्चा रही है। यूक्रेन युद्ध से बनी विश्व स्थितियों को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

> शहर में ऐसे सैकड़ों कोचिंग संस्थान हैं, जो पेइंग-गेस्ट, खान-पान, परिवहन और अन्य सेवाओं से संपन्न स्थानीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यहां के कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार सभी आईआईटी और एम्स के कुल वार्षिक बजट से भी अधिक है। यह बिजनेस मॉडल तीन तरह के परीक्षार्थियों की जरूरतें पूरी करता है- फाउंडेशन, रनिंग और ड्रॉपर बैच।

ताकि दबाव और तनाव में न आएं छात्र

अजीत रानाडे, जाने-माने अर्थशास्त्री

कोटा की खबरें झकझोरती हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी आईआईटी व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स जैसे नामचीन इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए यह शहर 'कोचिंग राजधानी' है। यहां विद्यार्थियों को इन प्रवेश परीक्षाओं में सफल होने के लिए तैयार किया जाता है। मगर इन दिनों यहां के कोचिंग संस्थान एडवांस कैलकुलस या न्यूटनी यांत्रिकी पढ़ाने के बजाय आत्महत्या रोकने पर अधिक ध्यान लगा रहे हैं। इस साल अब तक यहां 23 छात्रों ने खुदकुशी की है, जो पिछले आठ साल में सर्वाधिक है। नतीजतन, फंदे से लटकने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए छात्रावास के कमरों में स्प्रिरंग लगे पंखे अनिवार्य कर दिए गए हैं। ऊंची इमारतों में स्टील से बने आत्महत्या-रोधी जाल लगाए गए हैं। ऐसी घटनाओं से चिंतित होकर फिलहाल कोचिंग संस्थानों में जांच-परीक्षा पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। यहां के पुलिस स्टेशनों में छात्रों के लिए विशेष सेल बनाए गए हैं। कोचिंग संस्थानों में सैकड़ों परामर्शदाता हैं, जो उनमें पढ़ने वाले छात्रों में तनाव और अवसाद के शुरुआती लक्षणों का पता लगाते हैं। चौबीसों घंटे चलने वाले हेल्पलाइन क्लीनिक भी हैं।

बेशक खुदकुशी की रोकथाम काफी जटिल मामला है, पर इसका कारण हमें पता है। एक बड़ी वजह है, अपेक्षाओं का बोझ, विशेषकर माता-पिता का, जो कोचिंग फीस चुकाने के लिए अपनी पैतृक संपत्ति तक गिरवी रख देते हैं। लंबे समय तक काम करने, अवसाद और घर की याद भी खुदकुशी की अन्य वजहों में शामिल हैं। कोटा में अधिकांश छात्र बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से आते हैं। यहां यदि एक आत्महत्या होती है, तो सैकड़ों-हजारों ऐसे हतोत्साहित छात्र भी हैं, जिन्होंने अधीर होकर अपनी जान नहीं दी। फिर भी, पिछले तीन साल में कोटा में नामांकन दोगुना हो गया है। यहां दो लाख से अधिक अभ्यर्थी सप्ताह के सातों दिन 18-18 घंटे रोजाना पढ़ाई करते हैं।

शहर में ऐसे सैकड़ों कोचिंग संस्थान हैं, जो पेइंग-गेस्ट, खान-पान, परिवहन और अन्य सेवाओं से संपन्न स्थानीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यहां के कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार सभी आईआईटी और एम्स के कुल वार्षिक बजट से भी अधिक है। यह बिजनेस मॉडल तीन तरह के परीक्षार्थियों की जरूरतें पूरी करता है- फाउंडेशन, रनिंग और ड्रॉपर बैच। फाउंडेशन में वे बच्चे होते हैं, जो कक्षा सात से ही कोचिंग शुरू कर देते हैं। रनिंग बैच में ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी होते हैं और ड्रॉपर बैच में या तो 12 वीं करने के बावजूद अगली कक्षा में दाखिला न लेने वाले छात्र होते हैं या फिर दूसरे प्रयास के लिए कोचिंग लेने वाले परीक्षार्थी। टॉपर्स को बतौर उदाहरण पेश करने के लिए खास व्यवस्था की जाती है। कहा यह भी जाता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के कुछ टॉपर्स को तो अच्छा-खासा भुगतान किया जाता है, ताकि कोचिंग संस्थान उनको अपने विज्ञापनों का चेहरा बना सकें।

आखिर यह नौबत आई ही क्यों? इसका कारण है, अच्छी गुणवत्ता वाले संस्थानों का अभाव और सफलता से बढ़ने वाला सामाजिक रुतबा। कोचिंग उद्योग बस इसी का फायदा उठा रहे हैं। छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों के बच्चों के लिए तस्वीर कहीं ज्यादा स्याह है, क्योंकि वहां माध्यमिक स्कूलों के पठन-पाठन का स्तर अमूमन महानगरों के स्कूलों से कमतर होता है। कोटा फैक्टरी इस कमी को पूरा करने का काम करती है। ठीक उसी तरह, जिस प्रकार घरेलू नलों या सार्वजनिक स्थानों पर पीने योग्य पानी के अभाव से बोतलबंद पानी का चलन बढ़ गया। या, सार्वजनिक परिवहन की कमी के कारण निजी ऑटो या टैक्सी उद्योग फलता-फूलता गया। या, सरकारी अस्पतालों में सेवा की कमी ने निजी अस्पतालों का जंजाल खड़ा कर दिया। यह कोई भारत का ही पैटर्न नहीं है। दुनिया भर में यही देखा गया है कि सार्वजनिक सेवा की कमजोरी निजी क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर बन जाती है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। मगर व्यापक रूप से यदि सुलभ हो, तो उच्च गुणवत्ता वाली सरकारी शिक्षा व्यवस्था निजी स्कूलों के असमान प्रभाव को कम कर सकती है, जो पीढ़ियों से असमानता फैलाते रहे हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण अमेरिका के आईवी लीग कॉलेज हैं, जहां 25 से 35 फीसदी दाखिला तो विरासत के आधार पर होता है, और यह अनुपात अनवरत नुकसानदेह साबित होता जा रहा है। भारत में उच्च गुणवत्तापूर्ण और किफायती संस्थान बहुत कम हैं। आईआईटी स्नातकों को मिलने वाली मोटी तनख्वाह स्थिति को बदतर बना देती है। यही कारण है कि देश में ऐसे इंजीनियरिंग कॉलेजों की कमी नहीं, जहां की आधी सीटें खाली रह जाती हैं, जबकि आईआईटी में दाखिले के लिए होड़ मची रहती है, जिसमें प्रवेश की संभावना एक फीसदी से भी कम होती है। हाल के वर्षों में उच्च शिक्षा का बजट बढ़ाया गया है, जिससे आईआईटी व एम्स जैसे नए संस्थान खोलने की राह आसान हुई है। मगर तुलनात्मक रूप से उच्च शिक्षा पर हमारा खर्च अब भी काफी कम है। भारत जैसा राष्ट्र, जिसका लक्ष्य समावेशी विकास है, उच्च गुणवत्ता वाले मानव भंडार के बिना अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकता। ऐसी स्थिति में शिक्षा की यह उपेक्षा निंदनीय है। जाहिर है, हमें खर्च की उपयोगिता व अपने शासन मॉडल को परखना होगा।

कोटा सिंड्रोम इतना चर्चित है कि इसे नेटफ्लिक्स की एक सीरीज में भी दिखाया गया है। यह असल में कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक लक्षण है। कोचिंग कक्षाओं पर प्रतिबंध लगाने से इस समस्या का समाधान नहीं होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता से मिलने वाले सामाजिक रुतबे को भी हमें घटाना होगा, ताकि छात्रों पर से तनाव और दबाव कम हो सके। इस बाबत नितिन पई और अजय शाह ने एक अभिनव तरीका सुझाया है। उन्होंने प्रवेश परीक्षा की जगह बुनियादी समझ रखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए लॉटरी व्यवस्था अपनाने की बात कही है। अमेरिका में तकनीकी काम करने वाले कर्मियों के लिए एच1-बी वीजा लॉटरी की तरह सोचिए। इससे हमारे आईआईटी में विविधता आएगी और दोयम स्तर के कॉलेजों पर सुधार का दबाव बढ़ेगा, क्योंकि लॉटरी से चयनित न हो सकने वाले बच्चों को उन्हें अपने यहां समायोजित करना होगा। छात्रों को तनाव से बचाने के लिए अब हमें लीक से हटकर सोचना ही होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मानव-केंद्रित वैश्वीकरणः हमें जी 20 को दुनिया के अंतिम छोर तक ले जाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है

नरेंद्र मोदी

'वसुधैव कुटुम्बकम' हमारी भारतीय संस्कृति के इन दो शब्दों में गहरा दार्शनिक विचार समाहित है। इसका अर्थ है, 'पूरी दुनिया एक परिवार है'। यह एक ऐसा सर्वव्यापी दृष्टिकोण है जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन ना हो।

जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम एक पृथ्वी के रूप में, मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम एक परिवार के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे हैं। और एक भविष्य के लिए हम एक साझा उज्ज्वल भविष्य की ओर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

कोरोना वैश्विक महामारी के बाद की विश्व व्यवस्था इससे पहले की दुनिया से बहुत अलग है। कई अन्य बातों के अलावा, तीन महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहला, इस बात का एहसास बढ़ रहा है कि दुनिया के जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। दूसरा, दुनिया वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के महत्त्व को पहचान रही है। तीसरा, वैश्विक संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने का सामूहिक आह्वान सामने है।

जी-20 की हमारी अध्यक्षता ने इन बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। दिसंबर 2022 में जब हमने इंडोनेशिया से अध्यक्षता संभाली थी, तब मैंने यह लिखा था कि जी-20 को मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। विकासशील देशों, वैश्विक दक्षिण के देशों और अफ्रीकी देशों की हाशिए पर पड़ी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए इसकी विशेष आवश्यकता है।

इसी सोच के साथ भारत ने 'वायस आफ ग्लोबल साउथ समिट' का भी आयोजन किया था। इस सम्मेलन में 125 देश भागीदार बने। यह भारत की अध्यक्षता के तहत की गई महत्त्वपूर्ण पहलों में से एक रही। यह वैश्विक दक्षिण के देशों से उनके विचार, उनके अनुभव जानने का महत्त्वपूर्ण प्रयास था। इसके अलावा हमारी अध्यक्षता के तहत न केवल अफ्रीकी देशों की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई है, बल्कि जी-20 के एक स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल करने पर भी जोर दिया गया है।

हमारी दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है, इसका मतलब यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी चुनौतियां भी आपस में जुड़ी हुई हैं। यह 2030 एजंडा के मध्य काल का वर्ष है और कई लोग चिंता जता रहे हैं कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मुद्दे पर प्रगति पटरी से उतर गई है। एसडीजी के मोर्चे पर तेजी लाने से संबंधित जी-20 2023 का एक्शन प्लान भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। इससे एसडीजी को हासिल करने का रास्ता तैयार होगा।

भारत में प्राचीन काल से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ना हमारा एक आदर्श रहा है और हम आधुनिक समय में भी क्लाइमेट एक्शन में अपना योगदान दे रहे हैं। वैश्विक दक्षिण के कई देश विकास के विभिन्न चरणों में हैं और इस दौरान क्लाइमेट एक्शन का ध्यान रखा जाना चाहिए। क्लाइमेट एक्शन की आकांक्षा के साथ हमें ये भी देखना होगा कि क्लाइमेट फाइनेंस और ट्रांसफर आफ टेक्नोलाजी का भी ख्याल रखा जाए।

हमारा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पाबंदियों वाले रवैये को बदलना चाहिए। 'क्या नहीं किया जाना चाहिए' से हटकर 'क्या किया जा सकता है' वाली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें एक रचनात्मक कार्यसंस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक टिकाऊ और सुदृढ़ ब्लू इकानमी के लिए चेन्नई एचएलपी हमारे महासागरों को स्वस्थ रखने में जुटी है।

ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर के साथ, हमारी अध्यक्षता में स्वच्छ एवं ग्रीन हाइड्रोजन से संबंधित एक ग्लोबल इकोसिस्टम तैयार होगा। वर्ष 2015 में, हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का शुभारंभ किया था। अब, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस के माध्यम से हम दुनिया को एनर्जी ट्रांजिशन के योग्य बनाने में सहयोग करेंगे। इससे सर्कुलर इकोनामी का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा। क्लाइमेट एक्शन को लोकतांत्रिक स्वरूप देना, इस आंदोलन को गति प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है। जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर रोजमर्रा के निर्णय लेते हैं, उसी प्रकार वे इस धरती की सेहत पर होने वाले असर को ध्यान में रखकर अपनी जीवनशैली तय कर सकते हैं। जैसे योग वैश्विक जन आंदोलन बन गया है, उसी तरह हम 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबल इनवायरमेंट' (एलआइएफई) को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण, खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने में मोटा अनाज या श्रीअन्न से बड़ी मदद मिल सकती है। श्रीअन्न क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को भी बढ़ावा दे रहा है। इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स के दौरान हमने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है। द डेक्कन हाई लेवल प्रिंसिपल्स आन फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन से भी इस दिशा में सहायता मिल सकती है।

तकनीक परिवर्तनकारी है लेकिन इसे समावेशी भी बनाने की जरूरत है। अतीत में, तकनीकी प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों को समान रूप से नहीं मिला। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने दिखाया है कि कैसे टेक्नोलाजी का लाभ उठाकर असमानताओं को कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, दुनिया भर में अरबों लोग जिनके पास बैंकिंग सुविधा नहीं है, या जिनके पास डिजिटल पहचान नहीं है, उन्हें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआइ) के माध्यम से साथ लिया जा सकता है।

डीपीआइ का उपयोग करके हमने जो परिणाम प्राप्त किए हैं, उन्हें पूरी दुनिया देख रही है, उसके महत्त्व को स्वीकार कर रही है। अब जी-20 के माध्यम से हम विकासशील देशों को डीपीआई अपनाने, तैयार करने और उसका विस्तार करने में मदद करेंगे, ताकि वो समावेशी विकास की ताकत हासिल कर सकें। भारत का सबसे तेज गति से बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना कोई आकस्मिक घटना नहीं है।

हमारे सरल, व्यावहारिक और सस्टेनेबल तरीकों ने कमजोर और वंचित लोगों को हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया है। अंतरिक्ष से लेकर खेल, अर्थव्यवस्था से लेकर उद्यमिता तक, भारतीय महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। आज महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मंत्र पर भारत आगे बढ़ रहा है। हमारी जी-20 प्रेसीडेंसी जेंडर डिजिटल डिवाइड को पाटने, लेबर फोर्स में भागीदारी के अंतर को कम करने और निर्णय लेने में महिलाओं की एक बड़ी भूमिका को सक्षम बनाने पर काम कर रही है।

भारत के लिए, जी-20 की अध्यक्षता केवल एक उच्च स्तरीय कूटनीतिक प्रयास नहीं है। मदर आफ डेमोक्रेसी और माडल आफ डाइवर्सिटी के रूप में हमने इस अनुभव के दरवाजे दुनिया के लिए खोल दिए हैं। आज किसी काम को बड़े स्तर पर करने की बात आती है तो सहज ही भारत का नाम आ जाता है। जी-20 की अध्यक्षता भी इसका अपवाद नहीं है। यह भारत में एक जन आंदोलन बन गया है।

जी-20 प्रेसीडेंसी का हमारा कार्यकाल खत्म होने तक भारत के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें आयोजित की जा चुकी होंगी। इस दौरान हम 125 देशों के लगभग 100,000 प्रतिनिधियों की मेजबानी कर चुके होंगे। किसी भी प्रेसीडेंसी ने कभी भी इतने विशाल और विविध भौगोलिक विस्तार को इस तरह से शामिल नहीं किया है।

भारत की डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेवलपमेंट के बारे में किसी और से सुनना एक बात है और उसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना बिल्कुल अलग है। मुझे विश्वास है कि हमारे जी-20 प्रतिनिधि इसे स्वयं महसूस करेंगे। हमारी जी-20 अध्यक्षता विभाजन को पाटने, बाधाओं को दूर करने और सहयोग को गहरा करने का प्रयास करती है।

हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो, जहां साझा लक्ष्य अलगाव की सोच को खत्म कर दे। जी-20 अध्यक्ष के रूप में, हमने वैश्विक पटल को बड़ा बनाने का संकल्प लिया था, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि हर आवाज सुनी जाए और हर देश अपना योगदान दे। मुझे विश्वास है कि हमने कार्यों और स्पष्ट परिणामों के साथ अपने संकल्प पूरे किए है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

क्रेडा सदस्य ने सौर संयंत्र के लिए प्रस्तावित स्थल का किया निरीक्षण

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण क्रेडा ऊर्जा विभाग छ.ग. शासन द्वारा अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊर्जा के वैल्पिक स्त्रोतों पर बहुत ही तेज गति से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। सदस्य क्रेडा रायपुर विजय साहू, क्रेडा के अधिकारियों एवं नगर निगम मिलाई के अधिकारियों द्वारा 06 सितम्बर 2023 को सौर संयंत्र (ऑन ग्रिड) हेतु प्रस्तावित स्थल 77 एम.एल.डी., 66 एम.एल.डी. एवं महापौर भवन नगर निगम सुपेला भिलाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 77 एम.एल.डी., 66 एम.एल.डी. प्लाट में 100-100 किलोवॉट एवं महापौर भवन नगर निगम सुपेला भिलाई में 50 किलोवॉट क्षमता के सोलर पॉवर प्लांट (ऑन ग्रिड) संयंत्र स्थापना कार्य हेतु प्रस्तावित किया गया है। क्रेडा विभाग द्वारा स्थल सर्वे उपरांत कुल 250 किलोवॉट क्षमता के ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जा सकती है, जिससे प्रतिदिन लगभग 1000 यूनिट की विद्युत बचत हो सकती है।

साइंस कॉलेज के एनसीसी केडेट्स ने बनाई मानव श्रृंखला

दुर्ग। स्वीप गतिविधि के अंतर्गत साइंस कॉलेज दुर्ग के एनसीसी कैडेट्स, समाजशास्त्र विभाग एवं संस्कृत विभाग ने ई. सी. आई. एवं वोट के प्रतीक चिन्ह का मानव श्रृंखला बना कर प्रदर्शित किया तथा संविधान की पाठशाला का शपथ लिया। एनसीसी कैडेट्स एवं समाजशास्त्र तथा संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियो को मतदान के लिए जागरूक किया और ''हमर वोट हमर अधिकार'' के नारे लगाए। इस कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी मेजर सपना शर्मा सारस्वत, डॉ. एलके भारती, डॉ. एलिजाबेथ, प्राध्यापक जैनेंद्र दीवान एवं एनसीसी के 127 कैडेट्स, समाजशास्त्र एवं संस्कृत विभाग से 48 विद्यार्थी उपस्थित थे ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आज शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग। राज्य शासन द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 7 सितंबर को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य हेतु 'शुष्क दिवस' घोषित किया गया है। इस दौरान प्रदेश में स्थित समस्त देशी-विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें, होटल, बार, क्लब, भांग एवं भांग घोटा की फुटकर दुकानें बंद रहेंगी। इस अवधि के दौरान मदिरा के व्यक्तिगत भण्डारण एवं गैर लायसेंस प्राप्त परिसरों में मदिरा के भण्डारण पर सख्ती से रोक लगाने, उड़नदस्तों द्वारा अवैध मदिरा के परिवहन एवं विक्रय की रोकथाम तथा दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं।

कलेक्टर ने लिया स्ट्रांग रूम और मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था का जायजा

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने आईटी कॉलेज में निर्वाचन 2023 हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहाँ स्ट्रांग रूम, मतदान सामग्री वितरण सहित निर्वाचन के दौरान किये जाने वाले आवश्यक व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम की खिड़कियों को पैक करने, बेरिकेडिंग, सीसीटीवी, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था के संबंध में लोक निर्माण विभाग, नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए।

छावनी में चली प्रगति यात्रा,इस दौरान घर-घर जाकर लोगों से मिले विधायक

2.90 करोड़ के विकास कार्य की विधायक देवेंद्र यादव ने दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रगति यात्रा कर रहे हैं। बारी-बारी से पैदल-पैदल भिलाईनगर विधानसभा क्षेत्र में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। जिसमें उनके साथ सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हो रहे है। इसी कड़ी में विधायक श्री यादव 6 सितंबर को छावनी क्षेत्र में प्रगति यात्रा निकाली। जहां वे पैदल चलते हुए क्षेत्र के एक -एक गली मोहल्ले से होकर गुजरे। एक-एक घर में गए। लोगों से मिले।

उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याएं भी पूछी। लोगों से विकास कार्य को लेकर भी चर्चा की। इस दौरान वार्ड के नागरिकों और महिलाओं ने उनका पुष्प हार से भव्य स्वागत किया। बारी-बारी से वार्डवासियों ने उनकी आरती उतारी और तिलक लगाकर सम्मान किया। अपने घर में विधायक को देख कर लोग काफी खुश हुए। इस दौरान विधायक श्री यादव ने बड़े बुजुर्गों और माताओं का चरण छू कर प्रणाम किए और आशीर्वाद लिए। इस पूरे यात्रा के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने वार्डवासियों को कई सौगात भी दी है।

डेढ़ करोड़ से होगा नंदिनी रोड का चौड़ीकरण

वार्ड 38 और 39 नंदिनी रोड का चौड़ीकरण किया जाएगा। करीब 1 करोड़ 34 लाख की लागत से चौड़ी करण काम जल्द शुरू करेंगे। 6 सितंबर बुधवार को शाम 4 बजे केनाल रोड स्टा?र्टिंग पाइंट देना बैंक के पास भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। महापौर नीरज पाल भी विधायक के साथ ?भूमिपूजन में शामिल हुए। जहां विधायक ने वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के हाथों ने इस? विकास कार्य का भूमिपूजन करवाया। सालों से क्षेत्र के नागरिकों की यह मांग ?थी कि इस सड़क को बनाया जाए।

भिलाई नगर विधायक लगातार करोड़ों के विकास कार्य की सौगात दे रहे हैं। 17 लाख की लागत से वार्ड 40 मुक्तिधाम एवं दर्री तालाब के पास गार्डन विकास कार्य। 1.89लाख से वार्ड 40 श्रमिक नगर छावनी में जिम सामग्री प्रदाय। 5लाख की लागत से वार्ड 40 मानस भवन के छत पर अतिरिक्त कक्ष निर्माण, 5 लाख की लागत से वार्ड 40 में सामुदायिक भवन के बाजू में जिम भवन निर्माण, 12 लाख की लागत से लक्ष्मण नगर बस्ती में पेवर ब्लॉक लगाया गया है। इन सभी विकास कार्य का लोकार्पण किया गया।

इन विकास कार्यों का भूमिपूजन

5 लाख से वार्ड 40 श्रमिक नगर हनुमान मंदिर के समीप मंच निर्माण, 7 लाख से मंगल बाजार परिसर में प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य विकास कार्य। 8 लाख की लागत से छावनी चौक से तिरंगा चौक मुख्य मार्ग का सौंदर्यीकरण, 5 लाख की लागत से शीतला मंदिर के पास भवन निर्माण, 5 लाख की लागत से राधा कृष्ण मंदिर के पास भवन निर्माण, 2.86 लाख की लागत से शंकर नगर हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार, 9.98 लाख की लागत से

बिजली नगर शंकर नगर श्रीराम होटल के पास सीसी रोड, 5 लाख की लागत से श्रमिक नगर में मंच निर्माण, 6.50 लाख की लागत से छावनी में प्रकाश व्यवस्था,13.57 लाख में सीमेंटीकरण, पाइप लाइन विस्तारीकरण प्रकाश व्यवस्था, सामुदायिक भवन बनाया जाएगा। इन सभी विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है।

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कातरो, मंचादुर और खोपली से 50 से ज्यादा लोगों ने भाजपा छोड़ किया कांग्रेस प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ,पीसीसी महामंत्री जितेंद्र साहू के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला कांग्रेस कमेटी चाँदखान के नेतृत्व में 50 से ज्यादा महिला व पुरुषों ने किया कांग्रेस प्रवेश। इस अवसर मंत्री श्री साहू ने सभी को पुष्प गुच्छ से स्वागत किया और कांग्रेस का गमछा भेंट कर स्वागत किया और सभी को मिठाई खिलाकर मुहं मीठा की। मंत्री श्री साहू ने कहा कि आप सभी का कांग्रेस परिवार मे स्वागत है आप सभी के जुड़ने से समाजिक शक्ति एवं छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने हेतु नए विचार कांग्रेस पार्टी को नई मज़बूती प्रदान करेगी। इस अवसर अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेंद्र देशमुख,जिला कांग्रेस कमेटी सचिव प्रदीप चंद्राकार, जनपद उपाअध्यक्ष झमीत गायकवाड़,जामवंत गजपाल, विधायक प्रतिनिधि डा पिलेश्वर साहू, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति उतई दिवाकर गायकवाड़, अरविंद बंजारे,सरपंच मंचादुर दिलीप साहू, सरपंच कातरो मंजू यदु उपस्थित थे। कविता सेन एवम् महिलाओं ने बताया कि पूर्व में भाजपा पार्टी में थी लेकिन वर्तमान में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल एवं प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के रीति नीति व किसान ,सामाजिक हितैषी कार्यो से प्रभावित होकर हम सब कांग्रेस में प्रवेश कर रहे है। सेवा नियुक्त ब्रांच मैनेजर रेखराज भारती ने बताया कि पूर्व में एक कर्मचारी के रूप कार्यरत था अभी सेवा निवृत हुआ हूं अभी वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के मार्ग दर्शन में किसानों,मजदूरों, युवाओं महिलाओं के लिऐ जनकल्याण कारी योजना संचालित है साथ ही वर्तमान में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा में चहुमुखी विकास हुआ है जिससे में प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी शामिल होकर ताम्रध्वज साहू के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करेगें। सेवा निवृत ब्रांच मैनेजर रेखराज भारती, सेवा निवृत बी एस.पी कर्मचारी लक्ष्मी चंद भारती, कविता सेन ,कुमार यादव, गज्जू लाल भारती, नारद बघेल, चोवा राम साहू, चित्रलेखा, हुलसी साहू, नीलकंठ सेन, शेलंद्री, मिनाक्षी देवांगन, कंचन देवांगन, सावित्रि देवांगन, खिलेश्वरी देवांगन, शोभित यादव, गोदावरी यादव, खिलेश्वरी यादव, भूपेन्द्र,नेहरू लाल, रामकली यादव,दीपिका,यशोदा,हेमिन,देवक ी, शोहद्रा, गौरी, कमलेश्वरी, हीरा,सपना, मनीषा, माहेश्वरी, टिकेश्वरी, वेणुमति, टिकेश्वरी,वेणुमती, फागेश्वरी, शशि,उषा,भाग्य श्री,दाऊद खान. रहमान खान. रहमुद्दीन. अयूब खान. हबीब खान. रमजान खान. साफ़िर खान. मुनोवर खान. पीर बेग अमिरुद्दीन सहित अन्य कांग्रेस पार्टी में शामिल हुऐ।

अवैध पोस्टर, होर्डिंग्स हटाने निगम ने चलाया अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के सार्वजनिक स्थान, बिजली खंभे एवं सड़क किनारे में लगे हुए अवैध होर्डिंग बेनर,पोस्टर को हटाने भिलाई निगम ने अभियान चला रखा है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किये है कि संपूर्ण निगम क्षेत्र में कहीं भी अवैध बैनर पोस्ट या होर्डिंग्स लगाया जाता है उस पर तत्काल कार्रवाई करे।

आयुक्त के निर्देश के पर सभी जोन के राजस्व अमला अपने क्षेत्र में अवैध रूप से लगे पोस्टर होर्डिंग को हटाने के लिए अभियान चला रहे है। बुधवार को जोन 01 नेहरू नगर के राजस्व विभाग की टीम ने शहर से अवैध पोस्टर होर्डिंग हटने संसाधनों के साथ निकले और नेहरू नगर चौक से सूर्या मॉल चौक तक, मॉल चौक से रानी अवंती बाई चौक तक, गदा चौक से घड़ी चौक सुपेला तक, घड़ी चौक से आकाशगंगा मंडी रोड, सर्कस मैदान से सेक्टर 6 अंडर ब्रिज से नेहरू नगर

ओवरब्रिज तक अवैध तरीके से लगाये हुए पोस्टर होर्डिंग को हटाया गया। इसके कारण शहर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है, वही सड़क किनारे या डिवाईडर लगे हुए बैनर पोस्टर हवा तूफान में टूटने फटने से हवा में लटकते रहते है जिसे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इन सभी कारणों से लगातार कार्रवाई की जा रही है ।

महापौर आयुक्त ने विकास कार्यों का किया समीक्षा

निर्माण कार्य शीध्र पूर्ण हो रौशन हो शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र के मार्ग प्रकाश व्यवस्था में लाईट बंद की शिकायत का निराकरण समय में नहीं किया गया तो ठेका प्राप्त एजेंसी के विरूद्ध जुर्माने की कार्यवाही किया जायेगा। शहर के सभी बिजली खम्भो का नम्बरिंग करके बंद लाईटो को शीध्र चालू कर रौशन करे पुरा शहर

निगम के सभागार में महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने निगम में चल रहे निर्माण कार्य अप्रारंभ कार्य, वृक्षारोपण, मार्ग प्रकाश सहित सभी कार्यो की समीक्षा किये। महापौर ने अधिकारियों से कहा की निर्माण कार्यो को समय-सीमा में पूर्ण करें तथा निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये, निर्माण निर्धारित मानको के अनुसार ही किया जाए। पॉच घंटे चले मैराथन बैठक में आयुक्त श्री व्यास सम्पूर्ण निगम

क्षेत्र में चल रहे कार्य का जोनवार समीक्षा किये, उन्होने जोन-03 मदर टेरेसा नगर में ज्ञानोदय स्कूल के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किये जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त किये और उप अभियंता को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए इसी प्रकार कुरूद क्षेत्र में आगंनबाड़ी भवन निर्माण का कार्य अब तक प्रारंभ नहीं किये जाने पर आक्रोश जताया और एक सप्ताह में निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश जोन आयुक्त को दिये। उन्होने सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में स्थापित बिजली खम्भो का नम्बंरिग इस सप्ताह पूर्ण कर बंद लाईटो को चालू करने के निर्देश भी दिये। बैठक में ही मार्ग प्रकाश के ठेका प्राप्त कंपनी ई.एस.एल. को प्रतिनिधि को बुलाकर जाना कि कितने लाईट बंद है और क्यों बंद है, श्री व्यास ने कहा कि तय समय में शहर की सभी बंद लाईट को बदल कर मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरूस्त कर ले अन्यथा कंपनी के विरूद्ध जुर्माने की कार्यवाही किया जावेगा। उन्होने सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक तथा नंदनी रोड में सड़क चौड़ीकरण में आ रहे अतिक्रमण को खाली कराकर कार्य प्रारंभ करने को कहा आयुक्त श्री व्यास ने वाटर एटीएम की स्थापना, मंच निर्माण, डोमशेड, सीमेंटीकरण सड़क, सड़कों का डामरीकरण, वाटर कूलर की स्थापना, पेयजल हेतु राईजिंग पाईपलाईन बिछाने का कार्य, सामुदायिक भवन निर्माण, बोर खनन, वृक्षारोपण आदि कार्यो का जोनवार एवं वार्डवार समीक्षा किए। बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, सभी योजना के नोडल अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक एवं उप अभियंता उपस्थित रहे।

महापौर-आयुक्त ने निगम अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक, कहा

शहर में विकास कार्य को गुणवत्तायुक्त तरीके से समय सीमा पर पूरा कराएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल और निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कहा कि किसी भी काम में हील हवाला और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। महापौर ने कहा कि शहर के उद्यानों, तालाबों के विकास, सुंदरीकरण के काम, पेयजल व्यवस्था, नालियों, नालों की सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, पैचवर्क आदि के विकास कार्य समयसीमा के भीतर गुणवत्तायुक्त तरीके से पूरा समय सीमा पर कराए। संबंधित अधिकारी मानिटरिंग करते हुए यह सुनिश्चित करवाएं, ताकि दुर्ग शहर को सुंदर, स्वच्छ और स्मार्ट

सिटी का स्वरूप शीघ्र मिल सके। महापौर ने सभी नालों, नालियों की सफाई जल्द से जल्द व्यवस्थित रूप से करवाने को कहा,सफाई के साथ पेयजल, सड़क बत्ती के मौलिक कार्यों को नगर हित में पहली प्राथमिकता देने की बात कही। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था का सुगम प्रबंधन करवाते हुए उसके संधारण कार्य को प्राथमिकता से करवाने को कहा है।

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने समीक्षा बैठक में कलेक्टर टीएल,जन चौपाल, पीजी एन एवम एक कदम समाधान की ओर के अलावा उन्होंने राजस्व वसूली को लेकर वसूली में तेजी लाने के लिए निर्देश दिए,शहर के खाली जगहों पर वृक्षारोपण, बाजार क्षेत्र इदिरा मार्केट के दुकानों के बाहर गमला वितरण,व्यापारियो से बात करें कहें पर्यावरण संरक्षण के लिए सहयोग करें, उन्होंने गौरवपथ सौंदर्यीकरण कार्यो में तेजी लाने और शिवनाथ नदी मुक्तिशाम मार्ग में बन रहे सीमेंटीकरण कार्यो को जल्द से जल्द निपटाए।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसः मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री कल शामिल होंगे राज्य स्तरीय वेबीनार में

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 8 सितम्बर को दोपहर 12:00 बजे राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन किया गया है। इस वेबीनार में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, स्कूल शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, विशेष सचिव एवं राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक राजेश सिंह राणा तथा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण एवं राज्य साक्षरता केन्द्र (एससीईआरटी) के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। वेबीनार में प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, डाइट, जिला परियोजना अधिकारी, समग्र शिक्षा के डीएमसी, समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड परियोजना अधिकारी, बीआरसी, सीएसी, सीआरसी, समस्त प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षकगण, स्कूल शिक्षा व साक्षरता से जुड़े सभी स्त्रोत व्यक्ति, कुशल प्रशिक्षक, स्वयंसेवी शिक्षक सहित प्रदेश के शिक्षार्थी लोग शामिल होंगे।

प्रदेश में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए वातावरण निर्माण हेतु 01 सितम्बर से 07 सितम्बर तक साक्षर सप्ताह आयोजन किया गया। संचालक एवं सदस्य सचिव राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण राजेश सिंह राणा ने सभी जिला कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को राष्ट्रीय महत्व के इस कार्यक्रम के लिए विशेष रणनीति तैयार कर सभी वर्गो की इसमें सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और कार्य योजना अनुसार प्रत्येक दिवस गतिविधियों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए थे। राणा ने कहा कि साक्षरता सप्ताह का उद्देश्य सभी वर्गो का ध्यान नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की ओर केन्द्रित करना है।

सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने समिति का गठन जल्द

राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, सहयोगी संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों की बैठक में हुआ मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों पर नियंत्रण के लिए इससे जुड़े कानूनों को कड़ाई से लागू करने तथा सभी शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं को तंबाकू मुक्त बनाने प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ (एसटीसीसी), राष्ट्रीय सहयोगी संस्थाओं तथा गैर-सरकारी संगठनों की बैठक में इस पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान राज्य में तंबाकू नियंत्रण के लिए सभी संस्थाओं एवं संगठनों की सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया गया। बैठक में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए विस्तार से चर्चा की गई और सहयोगी संस्थाओं की भागीदारी से छत्तीसगढ़ को तंबाकू मुक्त राज्य बनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि राज्य में व्यस्कों एवं बच्चों द्वारा तंबाकू का उपयोग चिंताजनक है। राज्य की 39.1 प्रतिशत आबादी तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का उपयोग करती है। प्रदेश में 13-15 वर्ष आयु वर्ग के आठ प्रतिशत बच्चे तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इस पर सभी संस्थाओं ने चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों और युवाओं को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए ठोस कदम उठाने को जरूरी बताया। बैठक में तंबाकू नियंत्रण के लिए कानूनी प्रावधानों जैसे कोटपा एक्ट-2003, कोटपा छत्तीसगढ़ (संशोधन) अधिनियम-2021 तथा ई-सिगरेट पर प्रतिबंध कानून-2019 का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया गया। छत्तीसगढ़ की सभी शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं को तम्बाकमुक्त बनाने के लिए एक क्रियान्वयन समिति का गठन शीघ्र किए जाने की भी जानकारी इस दौरान साझा की गई।

तंबाकू नियंत्रण के लिए सामूहिक सहभागिता पर जोर

राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही सहयोगी संस्थाओं और एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की सराहना की गई। डॉ. जैन ने बैठक में कहा कि राज्य को तंबाकू मुक्त बनाने में संस्थाओं की सहभागिता बहुत आवश्यक है। सामूहिक सहभागिता के माध्यम से ही राज्य को तंबाकू मुक्त बनाया जा सकता है। जन-जागरूकता के जरिए ही तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को राज्य में प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा सकता है। उन्होंने सहयोगी संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि जमीनी स्तर पर तंबाकू नियंत्रण के लिए कोई कमी दिख रही है तो वे इससे विभाग को अवगत कराएं। उन्होंने सामूहिक सहभागिता से खामियों और कमियों को दूर कर तंबाकू मुक्त राज्य की परिकल्पना को किस प्रकार साकार किया जा सकता है, इसे सुनिश्चित कराने में स्वयं का योगदान देने की अपील भी की।

बैठक में 'द यूनियन' संस्था के सीनियर तकनीकी एडवाइजर डॉ. अमित यादव ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण के लिए सामूहिक सहभागिता की जरूरत को रेखांकित किया। राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की राज्य विधिक सलाहकार सुश्री ख्याति जैन एवं राज्य सलाहकार डॉ. नेहा साहू ने राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की गतिविधियों और प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में राज्य में संचालित टोल-फ्री नंबर 104 के प्रतिनिधि ने बताया कि तंबाकू का उपयोग छोड़ने के लिए मरीजों द्वारा टोल-फ्री नंबर 104 में कॉल कर सहयता ली जा रही है। टोल-फ्री नंबर के माध्यम से तंबाकू का उपयोग करने वाले मरीजों को तंबाकू छोड़ने के लिए आवश्यक परामर्श सेवाएं प्रदान की जा रही है। बैठक में वोलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वीएचएआई), सी श्री और समर्थन संस्था, रायपुर के अवतार नशामुक्ति केन्द्र, पिरामल स्वास्थ्य, सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, रायपुर एवं बिलासपुर स्थित दंत चिकित्सा महाविद्यालय तथा राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र (एसएचआरसी) के प्रतिनिधियों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए अपने-अपने संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों के अनुभव साझा किए।

जल जीवन मिशनः राज्य में 29.36 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रेहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत 49 लाख 92 हजार 786 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जाने के विरूद्ध वर्तमान में 29 लाख 36 हजार 958 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 39 हजार 113 स्कूलों, 37 हजार 501 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 15 हजार 616 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ का जांजगीर-चांपा जिला 01 लाख 45 हजार 967 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देकर सबसे आगे है। इसी तरह रायपुर जिला 01 लाख 45 हजार 494, महासमुंद जिले में 01 लाख 45 हजार 290 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही साथ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के अंतर्गत बनाए गए गौठानों में भी पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी डॉ. एस. भारतीदासन एवं मिशन संचालक आलोक कटियार द्वारा जमीनी स्तर पर राज्य में सिंगल विलेज स्कीम और मल्टी विलेज स्कीम और अन्य पेयजल योजनाओं सहित जल जीवन मिशन के कार्यों का क्रियान्वयन की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत अब तक धमतरी जिले में 01 लाख 33 हजार 373, रायगढ़ जिला में 01 लाख 32 हजार 692, बिलासपुर में 01 लाख 28 हजार 590, कवर्धा 01 लाख 27 हजार 811, बलौदाबाजार-भाटापारा में 01 लाख 26 हजार 515 घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं। इसी प्रकार मुंगेली में 01 लाख 21 हजार 471, दुर्ग जिले में 01 लाख 18 हजार 583 तथा बालोद में 01 लाख 17 हजार 053 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह बेमेतरा जिले में 01 लाख 17 हजार 007, राजनांदगांव जिला 01 लाख 15 हजार 166, सक्ती में 01 लाख 09 हजार 141, गरियाबंद 93 हजार 289, बलरामपुर में 92 हजार 710, जशपुर में 91 हजार 297, कोरबा में 90 हजार 964, सरगुजा जिले के 89 हजार 791, बस्तर में 88 हजार 685 शुद्ध पेयजल के लिए घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं। सूरजपुर में 83 हजार 355, कोण्डागांव में 80 हजार 251, कांकेर 76 हजार 123, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 66 हजार 107, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 50 हजार 260, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 45 हजार 253, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 41 हजार 393, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 31 हजार 808, सुकमा में 31 हजार 302, कोरिया में 28 हजार 959, बीजापुर 26 हजार 881, दंतेवाड़ा में 26 हजार 395 और नारायणपुर जिले में 17 हजार 982 ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल के लिए घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक परिवारों के लिए बनी सहारा

महासमुन्द की 2087 गर्भवती माताओं को मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत श्रम विभाग की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। गर्भवती माताओं के लिए संचालित महतारी जतन योजना से बच्चों और माताओं की सेहत की उचित देखभाल भी हो रही है। महासमुंद जिले में मिनी माता महतारी जतन योजना से 2087 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। योजना का लाभ उठाने वाली महासमुंद जिले के सुभाष नगर निवासी प्रमिला यादव ने बताया कि योजना के तहत 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि उनके पति छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत रेजा प्रवर्ग में पंजीकृत श्रमिक हैं। प्रमिला ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि श्रम विभाग के अंतर्गत मिनी माता महतारी जतन योजना से मिली राशि का उपयोग बच्चों के रहन सहन और उचित देखभाल के लिए किया जा रहा है। श्रमिक परिवार की गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत बड़ा सहारा बन रही है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं को सहायता देने के लिए मिनी माता महतारी जतन योजना की शुरुआत की गई है। योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सहायता प्रदान की जाती है। जो भवन निर्माण तथा असंगठित क्षेत्र में निर्माण के कार्य में मजदूरी करती है या जिनके पति मजदूरी करते हैं। उनकी पत्नी को योजना का लाभ दिया जाता है।

सड्डू में 44 वें निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा द्वारा राजधानी रायपुर के सड्डू क्षेत्र स्थित कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड के वृंदावन गार्डन में 44वें निःशुल्क योग कक्षा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक रायपुर के अध्यक्ष पंकज शर्मा, वार्ड पार्षद सुशीला धीवर ने की। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने गार्डन परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ योग आयोग निःशुल्क योग कक्षाओं के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं जागरूकता पैदा कर रहा है। लोग योग के माध्यम से न केवल अपने रोगों को मिटा रहे हैं बल्कि रोगों से बच भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ योग आयोग गठन से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ में योग का लगातार प्रचार-प्रसार कर लोगों को योग से जोड़ने का कार्य कर रहा है। आगामी सप्ताह गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का कार्यक्रम राजधानी में आयोजित है।

पंकज शर्मा जी ने कहा कि योग हमारे जीवन के लिए आवश्यक है और हम इसे अपने जीवन शैली में शामिल करें। पार्षद सुशीला धीवर अपने वार्ड में योग कक्षा खोलने पर खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर योग शिक्षक छबि राम साहू एवं ज्योति साहू ने योगाभ्यास कराया।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित अमल

शासकीय जाज्वल्यदेव नवीन कन्या महाविद्यालय के लिए 60 लाख रुपए स्वीकृत

चार अतिरिक्त कक्ष बनेंगे, छात्राओं में हर्ष, मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बिलासपुर में पिछले महीने की पहली तारीख को 'युवाओं के साथ भेंट-मुलाकात' कार्यक्रम में जांजगीर के शासकीय जाज्वल्यदेव नवीन कन्या महाविद्यालय में 4 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की स्वीकृति की घोषणा की गई थी, जिस पर त्वरित अमल करते हुए कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने महाविद्यालय में 4 अतिरिक्त कक्ष के निर्माण के लिए 60 लाख 3 हजार रुपए स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित अमल से महाविद्यालय की छात्राओं में हर्ष व्याप्त है।

उल्लेखनीय है कि बिलासपुर में युवाओं के साथ भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में जांजगीर के शासकीय जाज्वल्यदेव नवीन कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अतिरिक्त कक्ष की माँग रखी थी। मुख्यमंत्री ने इसकी स्वीकृति की तुरंत घोषणा भी कर दी थी। इस पर तेजी से काम हुआ और कलेक्टर ने अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कर दी। इससे अब अतिरिक्त कक्षों का निर्माण जल्द प्रारंभ हो सकेगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर इतनी तेजी से क्रियान्वयन होने पर महाविद्यालय की छात्राएं बेहद खुश हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इसके लिए धन्यवाद दिया है। छात्राओं ने बताया कि अतिरिक्त कक्षों की जरूरत थी। मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात युवाओं के साथ कार्यक्रम के बारे में जब छात्राओं को पता चला और जब हमने दूसरे संभागों में हुए भेंट-मुलाकात कार्यक्रमों में छात्र हित में मुख्यमंत्री द्वारा लिये गये त्वरित निर्णयों के बारे में सुना तो हमें भी लगा कि हमारे संभाग में जब भेंट-मुलाकात कार्यक्रम युवाओं के साथ होगा तो हम भी अपनी बात रखेंगे। इतना अच्छा कार्यक्रम हुआ। हमारे साथियों ने भी अपनी बात रखी और उन्हें भी मौका मिला। मुख्यमंत्री जी ने बहुत संवेदनशीलता से हमारी बात सुनी। हमें लगा कि हमारी दिक्कत देर सबेर दूर हो जाएगी। फिर जब इस बात की जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा पर अमल करते हुए राशि स्वीकृत हो गई है तो यह बहुत खुशी की बात है। छात्राओं ने बताया कि भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने पीजी छात्रों की जरूरतों के मुताबिक भी अनेक निर्णय लिये हैं। नये कोर्स आरंभ होने का लाभ भी छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

रात 12 बजे सिटी कोतवाली के कारागार में होगा भगवान श्रीकृष्ण का जन्म

रायपुर (ए)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं विकास समिति रायपुर के तत्वाधान में प्रतवर्षानुसार इस वर्ष भी थाना सिटी कोतवाली के कारागार बंदी गृह में भगवान कृष्ण का जन्म रात्रि 12 बजे होगा। इसकी तैयारी के लिए पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। समिति के सदस्य वासुदेव और माता देवकी की भूमिका निभाएंगे। कारागार में उन्हें हथकड़ियों से बांधा जाएगा। रात्रि में जब पहरेदार गहरी नींद में सो रहे होंगे तो वासुदेव बालक कृष्ण को टोकरी में रखकर सादर बाजार के गोपाल मंदिर में भक्तो को दर्शन देने जाएंगे। इस बार वासुदेव

की भूमिका में धनु लाल देवांगन और उनकी धर्मपत्नी देवकी की भूमिका निभाएंगीं। बैठक में माधव लाल यादव अध्यक्ष, सचिन धनु लाल देवगन, उपाध्यक्ष विजयपाल, गोवर्धन झवर, मीना यादव, संगीता यादव, चंदा पाल, तीलेश्वरी देवागण, अचला स्वामी आदि उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

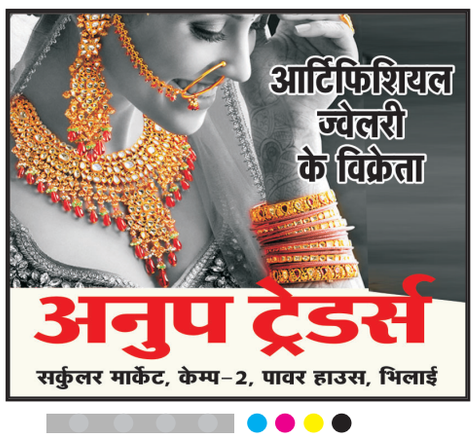

पेट में राइट साइड की तरफ अक्सर दर्द महसूस कर रहे हैं? तो हो सकते हैं इसके ये कारण...

क्या आपने कभी पेट की दाहिनी तरफ दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द होना वैसे तो आम बात है लेकिन हर दर्द का मतलब आपको पता होनी चाहिए। पेट की दाहिनी तरफ अगर दर्द होता है तो यह आपको परेशान कर सकता है। क्योंकि पेट की दाहिने तरफ कई ऑर्गन होते हैं। और इस तरफ दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं।

यह अपेंडिसाइटिस हो सकता है

अपेंडिसाइटिस दाहिनी ओर पेट दर्द के सबसे आम कारणों में से एक है। इसमें दर्द होता है जो नाभि के आसपास शुरू होता है और फिर निचले दाहिनी ओर बढ़ जाता है। इस केस में दर्द 24 घंटों की अवधि में तेजी से बढ़ता और तेज होता है। इसमें तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। अगर इलाज न किया जाए तो यह आपके अपेंडिक्स फट भी सकता है।

पेट में पथरी के कारण

क्या आपने कभी पेट के दाहिनी ओर दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द अक्सर होने वाली शिकायत है, और जब यह दाहिनी ओर होता है तो यह परेशान करने वाला हो सकता है। पेट के दाहिने हिस्से में कई अंग होते हैं, और इस स्थान पर दर्द कई प्रकार की अंतर्निहित समस्याओं का संकेत दे सकता है।

गॉलब्लाडर की समस्या

गॉलब्लॉडर की समस्याएं हो सकती है। जैले पथरी सूजन ऊपरी और दाहिने पेट में दर्द का कारण बन सकती है। यह दर्द अक्सर खाना खाने के बाद होता है। इसके साथ उल्टी और मतली की समस्या भी हो सकती है। गॉलब्लाडर में पथरी भी पेट दर्द कारण बन सकता है।

लिवर से संबंधित दिक्कतें

लिवर से संबंधित परेशानी , जैसे हेपेटाइटिस या लिवर फोड़ा, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में असुविधा या दर्द पैदा करने का कारण हो सकता है। इसके अलावा, लक्षणों में पीलिया (त्वचा और आंखों का पीला पड़ना), थकान और टॉयलेट का रंग गहरा होना। लिवर की स्थिति गंभीरता में भिन्न होती है। कुछ हल्के हो सकते हैं और लाइफस्टाइल में कंट्रोल रखने और दवा से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

गुर्दे की पथरी

गुर्दे की पथरी से गंभीर दर्द हो सकता है जो पीठ से निचले दाहिने पेट तक फैलता है। दर्द लहरों में आ सकता है और टॉयलेट में खून, मतली और बार-बार पेशाब आने के साथ जुड़ा हो सकता है।गुर्दे की पथरी अविश्वसनीय रूप से दर्दनाक हो सकती है लेकिन आम तौर पर जीवन के लिए खतरा नहीं होती है। हालाँकि, असुविधा से राहत और जटिलताओं को रोकने के लिए उनका इलाज किया जा सकता है।

आंतों के मुद्दे

रिपोर्ट के अनुसार, दाहिनी ओर पेट में दर्द विभिन्न आंतों की समस्याओं, जैसे चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस), क्रोहन रोग, या डायवर्टीकुलिटिस के कारण हो सकता है। इन स्थितियों के कारण पेट में ऐंठन, आंत्र की आदतों में बदलाव और सूजन हो सकती है।

स्ट्रेस बढ़ा रहा है सिरदर्द की परेशानी कम उम्र वालों को ज्यादा खतरा

एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, भारत में सिरदर्द की समस्या तेजी से बढ़ रही है। कोरोना महामारी का सबसे बुरा प्रभाव लोगों की मेंटल हेल्थ पर पड़ा है। तनाव और स्ट्रेस के मामले बढ़े हैं। हाल में आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना से भारत बुरी तरह प्रभावित रहा है। इस वजह से देश में सिरदर्द के मामले काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। सिरदर्द का सीधा संबंध स्ट्रेस लेवल से जोड़ा जा रहा है। आइए जानते हैं स्टडी रिपोर्ट।

सिरदर्द को लेकर क्या कहता है रिसर्च

देश की एक प्रमुख दवा कंपनी ने बढ़ते सिरदर्द को लेकर एक रिसर्च किया है। इसके मुताबिक, 20 शहरों के 22 से 45 साल की उम्र वाले 5,310 से ज्यादा लोगों का इंटरव्यू लिया गया। इसमें 93 प्रतिशत में सिरदर्द की समस्या कोरोना के बाद काफी बढ़ा है। सिरदर्द की वजह तनाव लेवल से जुड़ा हुआ है। इस रिपोर्ट से पता चला है कि तनाव के चलते लोग तनावग्रस्त हो रहे हैं और उनमें सिरदर्द की शिकायत बढ़ रही है। इस रिसर्च में शामिल हर तीन में से एक ने महामारी के बाद खुद को ज्यादा तनावग्रस्त माना है।

तनाव का कारण क्या है

इस रिसर्च में काम करने वाले और काम न करने वाले दोनों तरह के लोगों को शामिल किया गया है। दोनों में तनाव के लिए आर्थिक समस्याएं और काम का दबाव सिरदर्द बढ़ाने में सबसे ऊपर रहा है। इसके अलावा हेल्थ प्रॉब्लम्स और पारिवारिक झगड़े भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। स्टडी रिपोर्ट बताती है कि तनाव को सही तरह से मैनेज करना चाहिए। कोरोना से पहले की तुलना में 26-35 और 36-45 उम्र वालों में ट्रेस लेवल 12 प्रतिशत और 13 प्रतिशत तक बढ़ गया है। 26-35 आयु वाले युवा सबसे ज्यादा तनाव में पाए गए हैं। उनका आंकड़ा 87 प्रतिशत तक है।

सिरदर्द का सबसे बड़ा नुकसान

तनाव की वजह से सिरदर्द हो रहा है और इससे किसी काम में मन नहीं लग रहा है। करीब 40 प्रतिशत पार्टिसिपेंट्स ने माना कि उन्हें काम पर फोकस करने में दिक्कत आ रही है। सिरदर्द में प्रोफेशनल से लेकर पर्सनल लाइफ तक प्रभावित हो रही है।

सिरदर्द के पीछे स्ट्रेस क्यों जिम्मेदार

तनाव के कारण सिरदर्द तब बढ़ता है, जब गर्दन और स्कैल्प की मांसपेशियां तनाव में आती हैं या सिकुड़ जाती हैं। मांसपेशियों में संकुचन तनाव, अवसाद, सिर की चोट या एंग्जायटी का कारण हो सकती है।

सिरदर्द से बचने के उपाय

- नियमित समय पर पौष्टिक आहार लें।
- किसी भी समय खाना न छोड़ें, खाली पेट गैस बन सकती है।
- ब्रेकफास्ट को भूलकर भी न छोड़ें।
- रोजाना एक्सरसाइज करें।
- पर्याप्त नींद लें, कैफीन और स्मोकिंग से बचें।
- डॉक्टर से पूछे बिना दर्द की दवा न खाएं।

लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुरः एडवेंचर जंकी का किरदार निभाना चुनौतिपूर्ण काम था- अपूर्वा अरोड़ा

इंटरैक्टिव फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर में सितारा के रूप में नजर आने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने अपने वास्तविक जीवन के व्यक्तित्व की एक झलक दी और ऋत्विक धनजानी के किरदार ध्रुव के साथ एक अप्रत्याशित संबंध का खुलासा किया। ऋत्विक और अपूर्व अभिनीत फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर दर्शकों को कहानी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती है, जो उनकी पसंद के माध्यम से अपने कोर्स को आगे बढ़ाती है। ध्रुव और सितारा हमें सिंगापुर की आकर्षक सड़कों के माध्यम से खोज की यात्रा पर ले जाते हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अपूर्वा ने कहा- वास्तविक जीवन में, मैं ध्रुव की तरह हूं और ऋत्विक सितारा की तरह है, क्योंकि वह एड्रेनालाईन का दीवाना है, जो सीधे साहसिक गतिविधियों से शुरुआत करना चाहता है और यही सितारा की सबसे उपयुक्त परिभाषा है। जबकि, मैं एक ऐसी व्यक्ति हूं जो चीजों की योजना बनाना चाहती है, कम से कम उस दिशा में जहां मुझे जाना है, जो बिल्कुल ध्रुव की तरह है। ओएमजी फेम एक्ट्रेस ने कहा, मैं एडवेंचर की शौकीन नहीं हूं, लेकिन इसे करना एक बड़ा काम था। बंजी जंप और अन्य गतिविधियां करते समय मेरे पैर ठंडे हो गए थे। लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है।

पिंक ब्लेजर पहन पूजा हेगड़े ने कराथा हॉट फोटोशूट, कैमरे में फोकस कर दिए सेक्सी पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर तबाही मचा देती हैं। हाल ही में पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी सेक्सी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी किलर अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही सुर्खियां बटौरने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को रिझाना शुरू कर दिया है। इन तस्वीरों में पूजा हेगड़े का बोल्ड लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। पूजा हेगड़े ने अपनी इन तस्वीरों में पिंक कलर की ब्लेजर पहनी हुई है, जिसमें वो हॉट लग रही हैं। वहीं दूसरी फोटो में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देखकर एक बार फिर से फैंस के होश उड़ गए हैं। उनका ये लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल हो गया है। बताते चलें कि एक्ट्रेस पूजा हेगड़े जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। पूजा हेगड़े सोशल मीडिया लवर हैं, इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

लायंस क्लब ऑफ ने मनाया शिक्षक सम्मान समारोह

कोरबा। समोराह के मुख्य अतिथि एलईएस-2 के चेयरमेन एमजेएफलायन जयप्रकाश अग्रवाल जी विशिष्ट अतिथि एम.जे.एफ लायन राजकुमार अग्रवाल (श्वेता) चेयरमेन एलईएस-1, अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन मीना सिंह एवं अतिथि के रुप में लायन एस.के. अग्रवाल, लायन राजकुमार अग्रवाल (उत्सव), लायन कामायनी दुबे, लायन शहनाज शेख, लायन मधु पाण्डेय, लायन रोहित राजवाड़े, लायन ममता रानी वासन की गरिमामयी उपस्थित में माँ सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्ज्वलित कर भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। अध्यक्षीय भाषण अध्यक्ष लायन मीना सिंह द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने कहा कि ज्ञान के प्रतीक, छात्रों के पथ प्रदर्शक और उनके भविष्य को उज्जवल बनाने वाले, राष्ट्र निर्माता आप समस्त शिक्षक वृन्दो को उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन सहित शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके ज्ञान और मार्गदर्शन के बिना यह संसार शून्य है। गुरुजनों के द्वारा केक काट कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। तत्पश्चात उन्हें पुष्पगुच्छ, श्रीफ्ल व मोमेंटो भेटकर सम्मानित किया गया। एमजेएफलायन जयप्रकाश अग्रवाल एवं एमजेएफलायन राजकुमार अग्रवाल (श्वेता) ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षको को बधाई देते हुए कहा कि हमेशा गुरुजनों के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए व गुरुजनों का हमेशा सम्मान करना। साथ ही स्कूल के अच्छे संचालन व शिक्षक दिवस के लिए शिक्षक व शिक्षिकाओं को बधाई दिया। और उन्होनें आज सभी शिक्षिकाओं को युनिफार्म देने की घोषणा की और उनके समर्पण के लिए उनकी प्रशंसा की।

टीबी मुक्त पंचायत पहल पर कार्यशाला

सूरजपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला के अन्तर्गत टीबी मुक्त पंचायत पहल पर कार्यशाला एवं जिला टीबी एलिमिनेशन टास्क फोर्स (टीबी फोरम) की द्वितीय बैठक का आयोजन संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर द्वारा पोलियो उन्मूलन की भांति क्षय उन्मूलन की बात रखी गयी। कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त 487 ग्राम पंचायत को विभागों के पारस्परिक सहयोग से कार्ययोजना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से 24 मार्च 2024 तक क्षय मुक्त करने हेतु कार्य निर्देशित किया गया। शत प्रतिशत संभावित क्षय मरीजों की जांच, औषधियों की उपलब्धता, मरीज के परिवार के सदस्यों को टीपीटी एवं निक्षय मित्र के माध्यम से रोगियों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार देने हेतु क्षय विभाग को निर्देशित किया गया। सुपोषण योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा गरीब मरीजों को लाभान्वित करने के लिए लिए जिला महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस.सिंह ने क्षय रोग को गंभीर व जानलेवा बीमारी बताया। इस रोग के मरीज बीमारी से दुर्बल हो जाते है। नाखून, दांत व बाल छोड़कर शरीर के प्रत्येक हिस्से को टीबी बीमारी नुकसान पहुंचा सकता है। यह बीमारी हवा के माध्यम से संक्रमित मरीज के छींकने व खांसने से फैलता है। क्षय होने की संभावना कम उम्र के बच्चों, तम्बाकू का सेवन करने वाले व शुगर के मरीज, एड्स पीडित या कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति को रहती है। सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में क्षय रोग से संबंधी जांच एवं इलाज पूर्णत: नि:शुल्क है।

11 एवं 12 को रायगढ़ में लगेगा रोजगार मेला, 395 पदों पर होगी भर्ती

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के प्रयासों से जिले के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने लगातार कार्य किया जा रहा है। रोजगार मेले और काउंसलिंग शिविरों के जरिए आवेदकों को कंपनी में जॉब के लिए सीधे अप्लाई करने का मौका मिल रहा है। बीते माहों में लगाए गए रोजगार मेलों से विभिन्न कंपनियों ने जिले के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान किया है। इसी कड़ी में आगामी 11 एवं 12 सितम्बर को पुन: एक रोजगार मेले का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें करीब 395 पदों पर भर्तियां ली जाएगी। इसमें शामिल होने वाले आवेदक जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए रायगढ़ रोजगार मितान पोर्टल पर 10 सितम्बर तक पंजीयन कर सकते है। वहीं पोर्टल में पूर्व से पंजीकृत अर्हताधारी आवेदक सीधे रोजगार मेले में शामिल हो सकते है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि रायगढ़ रोजगार मितान पोर्टल में 11 एवं 12 सितम्बर 2023 को रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 11 नियोजकों के माध्यम से लगभग 395 पदों पर भर्ती की जाएगी। पोर्टल में पंजीकृत आवेदक निर्धारित तिथि को ट्रेड के अनुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायगढ़ में साक्षात्कार के लिए पूर्वान्ह 11 बजे उपस्थित हो सकते है। रोजगार मेला में जिन पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें 11 सितम्बर को 106 पदों पर भर्ती की जानी है। जिसमें तकनीकी रिक्तियां एवं अप्रेंटिसशिप शामिल है।

कवर्धा विधानसभा में सिंचाई सुविधाओं को मिला विस्तार

वन मंत्री अकबर ने एक और नए घटोला बांध का किया भूमिपूजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने बुधवार को खेती-किसानी के लिए कबीरधाम जिले में सिंचाई क्षमता को विस्तार देते हुए एक और नए बांध घटोला जलाशय का भूमिपूजन किया। इस भूमि पूजन के साथ सहसपुर लोहारा क्षेत्र के किसानों की एक और बड़ी मांग आज पूरी हो गई है। इस बांध का निर्माण होने से हजारों किसानों के 250 हेक्टेयर में खरीफ फसल में सिचाई का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस बांध की लम्बाई 480 मीटर होगी और उचाई 17.17 मीटर रखी जाएगी।

इसमें दो नग जल द्वार और एक नग वेस्ट वीयर का निर्माण प्रस्तावित है। बांध की दायी तट नहर जिसकी लंबाई 6.54 किलोमीटर और बांयी तट नहर जिसकी लंम्बाई 1.50 किलोमीटर निर्माण होगा। इस प्रकार कुल इन नहरों द्वारा 250 हेक्टेयर में सिचाई सुविधा किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कबीरधाम जिले के कुल सिंचाई क्षमता 28 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 35.90 प्रतिशत बढाने के लिए भी वर्कप्लान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार तैयार कर रही है।

वन मंत्री श्री अकबर ने कहा कि कबीरधाम जिले का समग्र विकास के लिए पूरी मजबूती के साथ काम किया जा रहा है। जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने का सपना भी हमारी सरकार पूरा करेगी।

जिले में गन्ना उत्पादक किसानों को समृद्ध बनाने के लिए गन्ना बेस इथेनॉल उद्योग बन कर तैयार है। इससे हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का राह सृजन होगा। केबिनेट मंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर नवांगांव में सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 06 लाख रूपए, मंच निर्माण के लिए 02 लाख रूपए और गांव की जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह, उगता सूरज स्व सहायता समूह को 10-10 हजार रूपए देने की घोषणा की।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते पौने पांच वर्षों में प्रदेश में सिचाई क्षमता को विस्तार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई है। प्रदेश के अलग-अलग जिलो में विकासखण्डों में किसानों की स्थिति को सुधारने के लिए अनेक बांध-जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार की नरवा योजना से पूरे प्रदेश में भू-जल स्तर भी सुधरा है। किसानों को इसका सीधा लाभ भी मिलने लगा है।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि कबीरधाम जिले में औसत से कम बारिश होती है, इसलिए हमारी सरकार ने किसानों को सशक्त, समृद्ध बनाने के लिए कबीरधाम जिले में सिंचाई क्षमता को बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। कबीरधाम जिले में घटोला बांध सहित और 15 नवीन सिंचाई योजनाओं को मूर्त रूप देने की दिशा में काम बढ़ा दिया है। इनमें रामपुर बरेड़ा व्यपवर्तन, जगमड़वा जलाशय, सुतियापाठ मध्यम जलाशय के दायी तट पर नहर विस्तारीकरण, राली व्यपवर्तन नहर कार्य, मगरवाड़ा व्यपवर्तन नहर कार्य, कोयलारी व्यपवर्तन, बकेला फीडर कैनाल से क्रांति रमतला एवं देवसरा जलाशय की नहरों का विस्तरीकरण, रिमाडलिंग कार्य, सनकपाटनाला एनीकट कम काजवे, रेंगाबोड कुण्डा व्यपवर्तन नहर कार्य, दमगढ़ व्यपवर्तन योजना, थुवा व्यपवर्तन, नहर कार्य, जल्दानाला जलाशय नहर कार्य का काम प्रस्तावित है। इसमें से क्रांति जलाशय एव नहर विस्तारी करण का भूमिपूजन हो चुका है। इन सभी कार्य पूरा होने से 13 हजार 542 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इस प्रकार जिले में कुल सिंचाई रकबा 54465 हेक्टेयर से बढ़कर 68006 हेक्टेयर हो जाएगा। साथ ही कुल सिंचाई क्षमता कबीरधाम जिले की 28.75 प्रतिशत से बढ़कर 35.90 प्रतिशत हो जाएगी।

मंत्री भेंड़िया ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने मंगलवार को बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम नारगी में नाली निर्माण, ग्राम बर्रापारा संजारी में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम आलीवारा में मुक्तिधाम, संबलपुर में सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की और समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि ग्रामीणों की मांग के अनुरूप डौण्डीलोहारा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को समृद्ध बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार ने किसानों का कर्ज माफ कर उन्हें कर्ज के बोझ से मुक्ति दिलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को धान, वनोपज सहित दलहन-तिलहन का बढ़ा मूल्य देकर अन्नदाताओं के मेहनत का सम्मान किया है। राज्य सरकार ने गांवों में आदर्श गौठान का निर्माण कर गौ संरक्षण की दिशा में अविस्मरणीय कार्य किया है।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि किसान समृद्ध होगा तो छत्तीसगढ़ भी बढ़ेगा। इस भावना को आत्मसात कर राज्य सरकार के द्वारा मेहनतकश किसानों को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने राणाखुज्जी में बमलेश्वरी मंदिर प्रांगण में कमरछठ पूजा कर रही सैकड़ों व्रतधारी महिलाओं के बीच पहुंचकर सगुरी मैया व भगवान गौरीशंकर को श्रीफ्ल भेंट किया। इस अवसर पर सरपंच रोहणी साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

संस्कृत के ज्ञान -विज्ञान ने बनाया भारत को विश्व का सिरमौर-आचार्य डॉ शर्मा

श्रीकंचपनथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में विश्व संस्कृत सप्ताह समारोह का समापन हुआ। मुख्य अतिथि संस्कृति मर्मज्ञ और शिक्षाविद आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा ने इस दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व कवि कालिदास और तुलसीदास शब्द और अर्थ को शिव-शक्ति और श्रद्धा - विश्वास के रूप में प्रस्तुत करते हैं। विज्ञान और संस्कृति के इसी समन्वय के प्रभाव से चन्द्रयान स्थल को वर्तमान में शिव-शक्ति स्थल की संज्ञा दी गई है। गायत्री मन्त्र द्वारा सूर्य उपासना अनादिकाल से जारी है। इधर इसरो ने आदित्य एल-1 सूर्य की ओर छोड़ दिया है। भारत इसी पृष्ठभूमि पर आज भी विश्व गुरु है। इस दौरान विद्यार्थियों हेतु पाठ्य पुस्तक भेंट समारोह के तहत आचार्य डॉ. शर्मा ने 30-40 विद्यार्थियों को स्वलिखित पुस्तके सटीक शुकनासोपदेश भी नि: शुल्क भेंट कीं। त्वरित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में रामायण में देशभक्ति को बताने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार भी दिये। अपने कीर्ति शेष दादा जी पं.मदन शर्मा की स्मृति में नकद पुरस्कार की भी घोषणा की,जो संस्कृत में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी को देय होगा। देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना से शुभारम्भ हुए इस समारोह में कालेज की ओर से डा. शर्मा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ.एस.एन. झा ने संस्कृत की महत्ता बताते हुए इसे करियर के लिये भी बहुत उपयोगी बताया। भूगोल के प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार मिश्र और संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.जैनेन्द्र कुमार दीवान ने भी अपनी बात रखी।

खिलाड़ियों ने परम्परागत खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़िया खेल एवं संस्कृति को किया जीवंत: डॉ. चरणदास महंत

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ विधानसभा के अध्यक्ष चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में आज जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा के शासकीय हाई स्कूल मैदान में 04 सितम्बर से 06 सितम्बर तक आयोजित 03 दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों का समापन हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अपने बेहतरीन खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के विजेताओं एवं अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ विधानसभा के अध्यक्ष चरणदास महंत ने संबोधित करते हुए कहा कि जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आज समापन है। छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान, संस्कृति और परम्परा है इस संस्कृति परंपराओं को लोग भूलते जा रहे हैं इसमें हमारा छत्तीसगढ़िया खेल भी है जिसे हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से पुनर्जिवित किया है। खिलाड़ियों ने ग्रामीण एवं परम्परागत खेलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़िया खेल एवं संस्कृति को जीवंत किया है। आने वाले समय में इसका बहुत अच्छा परिणाम निकलेगा। खेल में भाग लेना जरूरी है। इसमें शामिल होकर भाईचारे और एकता का विकास करना आवश्यक है।

छत्तीसगढ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ रामसुंदर दास ने विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के समापन समारोह में सभी खेल का शानदार प्रदर्शन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में पूरे छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का आयोजन हो रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्बरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे मुख्यमंत्री द्वारा पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शामिल सभी खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन कर सभी को शुभकामनाएं दी।

इस समापन कार्यक्रम में कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला भगवान दास गढ़ेवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चांपा जय थवाईत, सदस्य खाद्य आयोग श्रीमती ज्योति किशन कश्यप, सदस्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड नारायण खण्डेलिया, सदस्य श्रम कल्याण बोर्ड हरप्रसाद साहू, जिला पंचायत सभापति कुसुम कमल साव, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, कृषि उपज मंडी नैला अध्यक्ष ब्यासनारायण कश्यप, राघवेन्द्र कुमार सिंह, गुलजार सिंह, देवेश सिंह, विवेक सिसोदिया, डॉ परस शर्मा, रफीक सिद्दिकी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आवारा एवं घुमंतू पशुओं को सड़कों से हटाने चलाया जाएगा विशेष अभियान - कलेक्टर मीणा

श्रीकंचपनथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि विशेष अभियान चलाकर 15 दिनों में सड़कों से आवारा एवं घुमंतू पशुओं को नियंत्रित किया जाए। सभी अधिकारियों को इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करने की बात राजस्व एवं नगरीय निकाय की समीक्षा बैठक में कही।

कलेक्टर ने सड़कों में आवारा पशुओं को नियंत्रित करने निगमों द्वारा पशुपालकों पर जुर्माना लेते हुए सख्त से सख्त कार्यवाही करने को कहा। सड़कों से घुमंतू पशुओं को हटाने के लिए प्रभावी तरीके से कार्य करने को कहा। पशुपालन विभाग के अधिकारी को पशुओं पर टेगिंग करने के लिए सभी निकायों में अपने स्टॉफों की ड्यूटी लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग के स्टॉफ को घर-घर में सर्वे कराकर पशुओं की

टेगिंग कराने को कहा। साथ ही उन्होंने सभी पशुपालकों के मोबाईल नंबर की सूची बनाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि काऊ कैचर के माध्यम से निगम के कर्मचारियों द्वारा लगातार आवारा मवेशियों को पकड़ा जा रहा है। साथ ही मवेशियों को आवारा छोड़ने वाले पालकों पर कार्रवाई भी जा रही है। इस पर कलेक्टर ने काऊ कैचर के माध्यम से पकड़े जाने वाले कर्मचारियों को ट्रेनिंग कराने को कहा, ताकि पशुओं को बिना क्षति के गौठानों में ले जाया जा सके। कलेक्टर ने दूध व्यवसाय कर रहे पशुपालकों की बैठक करने अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि उन्हें यह बताया जा सके कि अगर बार-बार अपने पशुओं को छोड़ा जाएगा तो उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में नगरीय निकायों के अधिकारियों को स्वयं जाकर निरीक्षण करने को कहा। नगर निगम आयुक्तों को सफाई कर्मचारी जो कचरा एकठ्ठा करने डोर टू डोर जाते हैं उन्हें कचरा एकठ्ठा करने के साथ-साथ घर के मालिकों से पशु संख्या की जानकारी लेने पर जोर दिया।

साथ ही उन्होंने नगरीय गौठानों में पशु चिकित्सकों की व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित गौठानों की जानकारी ली। ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले पशुओं की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। रोड के किनारे स्थित गौठानों का चिन्हांकन कर गौठानों में पशुओं के लिए चारा, पानी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम एवं नगर निगम आयुक्तों को डेयरी संचालकों, पशुपालकों, सफाई कर्मचारियों एवं सुपरवाईजरों की बैठक करने को कहा।

राजस्व की समीक्षा

कलेक्टर ने अधिकारियों को सीमांकन के प्रकरणों को राजस्व अधिकारियों एवं गठित समिति के साथ समन्वय बनाकर सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण करने को कहा। सीमांकन होने के उपरांत विधिवत सूचना आवेदक को करने को कहा, ताकि आवेदक को भटकना न पड़े।

स्कूली छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता हेतु बनायी मानव श्रृंखला

कोण्डागांव। जिले मे चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप कार्यक्रम के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सोनी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप नोडल अधिकारी प्रेमप्रकाश शर्मा के निर्देशन एवं संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सीमा ठाकुर के मार्गदर्शन में कोण्डागांव विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनियागांव के लगभग 500 छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम संयोजक टी.ऐंकट राव के नेतृत्व में एक विशाल एवं आकर्षक मानव श्रृंखला बनाकर छात्र छात्राओं ने वोटर लिस्ट में नाम लिखाने हेतु प्रेरित करने के लिए वोटर कार्ड बनाएं, घर घर अलख जगाएंगे मतदाता जागरूक बनाएंगे, युवा तुम हो देश की शान जागो उठो करो मतदान जैसे गगनचुंबी नारों के साथ शतप्रतिशत मतदान के लिए ग्रामवासियों को जागरूक किया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

अनाज व्यापारी के मुंशी से कट्टे की नोक पर लूट

आखों में मिर्च पाउडर डालकर बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में अनाज व्यापारी के मुंशी से लूट का मामला सामने आया है। जिले के तरौद चौक के पास अनाज व्यापारी के ऑफिस में घुसकर कट्टे की नोट पर 6 लाख 60 हजार रुपए की लूट हो गई। बदमाशों ने मुंशी की आंख में मिर्च पाउडर डालकर घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सीसी टीवी फुटेज भी खंगाले जिसमे दो व्यक्ति नजर आ रहे हैं जो हेलमेट लगाए हुए थे। अब पुलिस हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार शर्मा राइस मिल के मुंशी राखी राम कश्यप के साथ लूट हो गई। राखी राम ने पुलिस को बताया कि धान बेचने वाले किसानों को देने के लिए उसने अपनी साथ बैग में 6 लाख 60000 रुपए लेकर ऑफिस पहुंचा। सुबह 10:45 बजे ऑफिस खोलने के बाद बैग को काउंटर पर रख सारी रकम ड्राज में रख दिया। इस दौरान दो अज्ञात व्यक्ति हीरो एचएफडिलक्स वाहन से पहुंचे। दोनों ने हेलमेट लगा रखी थी। ऑफिस में घुस कर दोनों ने कट्टा दिखाया और काउंटर के ड्राज मे रखे सभी नगदी रकम कुल 6,60000 रूपए अपने बैग में भर लिया। इसके बाद दोनों ने मिर्च पाउडर निकाल कर मुंशी की आंखों में झोंक दिया। रुपए के साथ दोनोंने वीवो कंपनी का मोबाइल भी लूट कर ले गए। राखी राम ने बताया कि किसानों का भुगतान करने के लिए दो दिनों से वह रुपए अपने पास रखा था। बुधवार को भुगतान करना था और इस बीसच लूट हो गई।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

दोनों बदमाशों की करतूत पीड़ित के सीसी टीवी कैमरे में भी रिकार्ड हो गई है। इस फुटेज को भी पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस इस फुटेज का वायरल कर रही है ताकि आरोपियों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि 2 लोग हेलमेट पहनकर शर्मा राइस मिल में घुसते हुए नजर आ रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि किस तरह से दोनों युवक मुंशी के ऑफिस में घुसे और उसकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंककर 6 लाख 60 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। एएसपी अनिल सोनी ने बताया कि लूट के मामले में आरोपियों की तलाश जारी है। सड़कों और दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों का सुराग मिल सके। उन्होंने कहा कि मामले में जांच जारी है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किराना दुकान में देशी से लेकर अंग्रेजी शराब और बीयर बेच रहा दुकानदार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में पुलिस ने एक ऐसे किराना दुकानदार को गिरफ्तार किया है जिसने अपनी दुकान को मिनी शराब दुकान बना रखा था। आसपास के लोगों को देशी से लेकर अंग्रेजी शराब खरीदने के लिए शराब की दुकानों तक जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। लंबे समय दुकानदार यह कारोबार कर रहा था। इस बीच पुलिस को खबर मिली और ग्राहक बनकर दुकानदार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से देशी, अंग्रेजी शराब के साथ बियर भी जब्त की। आरोपी के खिलाफ34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार जशपुर जिले के बागबहार थाना क्षेत्र में पुलिस ने किराना दुकान संचालक मुकेश शर्मा को गिरफ्तार किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बिरीमडेगा निवासी मुकेश शर्मा अपने किराना दुकान में भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब बेच रहा है। पुलिस को यह भी पता चला कि मुकेश शर्मा अपनी दुकान में अलग अलग ब्रांड की शराब के साथ बियर व देशी शराब भी बेच रहा है। एक तरह गांव में उसने पूरी शराब की दुकान खोल रखी थी।

पुलिस ने यहां दबिश देकर मेकडॉवल व्हीस्की 15 पौव्वा, फ्रंट लाईन विस्की 9 पौव्वा, फ्रंट लाईन ब्लू विस्की 13 पौव्वा, मूड ऑफविस्की 8 पौव्वा, गोवा स्पेशल विस्की 52 पौव्वा, गोल्डन गोवा विस्की 34 पौव्वा, चार्ली बोदका एक बोतल, मैजिक मोमेंट बोदका दो पौव्वा, 3 सिंबा केन बियर, सिम्बा बियर 28 बोतल व प्लेन देशी शराब का पौव्वा बरामद किया गया। जब्त शराब की कीमत 26600 रुपए बताई जा रही है। वहीं शराब बेचकर कमाई गई रकम 4350 रुपए भी पुलिस ने जब्त किया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बागबहार निरीक्षक अंबरीश शर्मा, आरक्षक सुरेन्द्र यादव, राजेन्द्र रात्रे, महिला आरक्षक राजकुमारी पैंकरा, लालसाय भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

फेसबुक फ्रेंड बनकर युवती से 2 लाख की ठगी

गिफ्ट भेजने का दिया झांसा, कोरियर और कस्टम चार्ज के बहाने वसूले पैसे

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवती फेसबुक फ्रेंड के चक्कर में पड़कर दो लाख रुपए ठगी की शिकार हो गई। पीड़ित को UK से महंगी गिफ्ट भेजने का झांसा दिया। फिर ठग गिरोह का सदस्य अपने आप को कोरियर कंपनी का कर्मचारी बताकर कस्टम ड्यूटी और अलग-अलग बहाने से दो लाख रुपए ट्रांसफर करा लिया।

सीपत क्षेत्र में रहने वाली एक युवती की सोशल मीडिया में अनजान युवक से दोस्ती हो गई। दोनों आपस में बातचीत करते रहे। इस दौरान युवक ने उसे बताया कि वह UK में रहता है और उसके नाम पर गिफ्ट भेजने वाला है। उसने युवती को झांसा देकर उसका एड्रेस और मोबाइल नंबर ले लिया।

युवती के पास अनजान नंबर से वाट्सऐप पर कॉल आया। फोन करने वाले ने बताया कि वह DHL कोरियर कंपनी का कर्मचारी है। युवती से कहा कि आपके नाम से विदेश से गिफ्ट आया है, जो कि मुंबई एयरपोर्ट में फंस गया है। उसे बिलासपुर लाने के लिए कोरियर चार्ज के साथ ही कस्टम चार्ज भी लगेगा।

कथित कर्मचारी के कहने पर युवती ने पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद से वह अलग-अलग बहाने से पैसे की डिमांड करता रहा। करीब दो लाख रुपए देने के बाद भी वह और पैसे मांगने लगा। तब युवती को ठगी का अहसास हुआ। फिर उसने मामले की शिकायत पुलिस से की। जिसके बाद धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

4 निरीक्षक और 2 उप निरीक्षक के तबादले

श्रीवास को भानपुरी तो शिवानंद को नगरनार की कमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। बस्तर पुलिस अधीक्षक ने बुधवार की शाम को 4 निरीक्षक के साथ ही 2 उप निरीक्षकों के तबादले किए हैं। जिसमें बकावंड थाना प्रभारी को भानपुरी की कमान तो वहीं रक्षित केंद्र में पदस्थ शिवानंद को नगरनार की कमान सौंपी गई है।

बता दें कि तीन दिन पहले 20 निरीक्षक के साथ ही 32 उप निरीक्षक, 25 सहायक उप निरीक्षक का स्थानान्तरण आदेश रायपुर पुलिस विभाग से निकाला गया था। जिसमें भानपुरी थाना में पदस्थ निरीक्षक किशोर केवट को बिलासपुर तो वहीं नगरनार में पदस्थ निरीक्षक विजय चेलम को रायगढ़ भेजा गया।

इस लिस्ट के आने के बाद बस्तर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मीणा के द्वारा बुधवार को एक लिस्ट और जारी की गई। जिसमें बकावंड थाना प्रभारी चंद्र शेखर श्रीवास को भानपुरी, निरीक्षक दिनेश यादव को कैंप नानगुर से थाना प्रभारी बकावंड, निरीक्षक शिवानंद सिंह को रक्षित केंद्र जगदलपुर से नगरनार, निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता को रक्षित केंद्र जगदलपुर से थाना प्रभारी करपावंड, उप निरीक्षक रत्नेश सेठिया को थाना प्रभारी करपावंड से थाना नगरनार व उप निरीक्षक ललित सिंह नेगी को रक्षित केंद्र जगदलपुर से थाना दरभा भेजा गया है।

रायपुर में एक्शन मोड पर पुलिसः सार्वजनिक जगहों और आउटर में फोर्स तैनात, नशा करने वालों पर सख्ती

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस क्राइम कंट्रोल करने एक्टिव मोड में नजर आ रही है। शहर की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही है। बुधवार को भी शाम होते ही शहर के कई थानों की टीम चेकिंग अभियान में निकली।

पुलिस थानों को मजबूत रखने के लिए एसएसपी प्रशांत अग्रवाल खुद भी सड़कों में लगातार गश्त कर रहे हैं। विजिबल पुलिसिंग के अंतर्गत पैदल पेट्रोलिंग, क्राइम प्रिवेंशन पेट्रोलिंग सहित 112 टीमों को सभी जगहों पर तैनात किया गया। फोर्स भीड़-भाड़ और सार्वजनिक जगहों और सुनसान स्थानों में नशा करने वालों पर सख्ती बरत रही है। गुटबाजी और अड्डेबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की डिक्की चेकिंग भी की जा रही है। इसके अलावा आम जगहों और कारों पर बैठकर शराब पीने वालों के खिलाफ भी एक्शन लिया जा रहा है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/स.वि./2023/205/298 भिलाई, दिनांक 06/09/2023

// फ्री होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना//

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ–8–5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकायो के स्वयं के आधिपत्य/स्वामित्व के लीज होल्ड तथा पूर्व विघटित विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वयं के आधिपत्य के 30 वर्षीय लीज होल्ड पर आबंटित आवासीय/व्यवसायिक (भवनों/फ्लेट्स/भूखण्डो/परिसर/दुकानों)को संबंधित नगरीय निकाय को राजस्व विभाग से विधिवत् भूस्वामित्व प्राप्त होने पर फ्री होल्ड के रूप संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखंडधारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से **30 दिवस के भीतर** अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र0	पट्टाधारी का नाम पति/पिता का नाम	योजना का नाम	ब्लॉक क्र0 भूखंड क्र0	आकार
1	शकुन्तला अग्रवाल पति स्व0 राधेश्याम अग्रवाल	मो0ने0न0प0 आ0यो0	64/03	135 व0मी0
2	अनुराधा अग्रवाल/ स्व0 राधेश्याम अग्रवाल की ओर से आम0मु0 संजय अग्रवाल/राधेश्याम	मो0ने0न0प0 आ0यो0	64/02	135 व0मी0
3	परमानंद यादव आ0 स्व0 आर0सी0 चौधरी	दक्षिण गंगोत्री व्य0 यो0	बी/31	29.25 व0मी0
4	1. अनिता अग्रवाल पति स्व0 अनिल अग्रवाल 2. राजल अग्रवाल आ0 स्व0 अनिल अग्रवाल 3. सुयश अग्रवाल आ0 स्व0 अनिल अग्रवाल	मो0ने0न0प0 आ0यो0	67/05	540 व0मी0
5	जसबीर सिंग कम्बो आ0 स्व0 करतार सिंह	न्यू खुर्सीपार आ0	सर्वे क्र 322	22.27 व0मी0
6	शिवपुजन पाण्डेय आ0 स्व0 रामकेवल पाण्डेय	मो0ने0न0पू0 आ0यो0	86/21	72 व0मी0
7	शिवपुजन पाण्डेय आ0 स्व0 रामकेवल पाण्डेय	मो0ने0न0पू0 आ0यो0	86/20	72 व0मी0
8	रमेश कुमार चोपड़ा आ0 स्व0 लेखराज चोपड़ा	न्यू खुर्सीपार	सर्वे क्र 52	384.44 व0मी0
9	वी0वी0 कृष्णा राव आ0 स्व0 वी0एस0एन0 मूर्ति	ई डब्ल्यू एस कोसा नगर	01/09	450 व0फु0
10	एस0एल0 राजेश्वरी पति एस0गोपाल कृष्णा	ई डब्ल्यू एस कोसा नगर	14/09	450 व0फु0
11	सुमन मिश्रा पति आर0के0मिश्रा	राधिका नगर आ0यो0	34/12	216 व0मी0
12	रितेन्द्र पाल सिंह ठाकुर आ0 इन्द्रपाल सिंह ठाकुर	दक्षिण गंगोत्री व्यव0 यो0	35/10	40.5 व0मी0
13	विशाल शाह आ0 स्व0 विनोद कुमार शाह	दक्षिण गंगोत्री व्यव0 यो0	35/08	40.5 व0मी0
14	रोहल चंद्राकर आ डॉ0 भूधर लाल चंद्राकर	मो0.ने0न0प0	04/10	189 व0मी0
15	रितेन्द्र पाल सिंह ठाकुर आ0 इन्द्रपाल सिंह ठाकुर	दक्षिण गंगोत्री व्यव0 यो0	35/09	40.5 व0मी0
16	विशाल शाह आ0 स्व0 विनोद कुमार शाह	दक्षिण गंगोत्री व्यव0 यो0	35/07	40.5 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

आठे कन्हैया तिहार

श्री कृष्ण जन्माष्टमी

के गाड़ा-गाड़ा बधाई

पारंपरिक व जीवन उपयोगी वृक्षों से पर्यावरण संरक्षण

श्री कृष्ण कुंज

छत्तीसगढ़ कृष्ण कुंज

169 नगरीय निकायों में
224 एकड़ भूमि पर विकसित
60 हजार वृक्ष रोपित

श्री कृष्ण कुंज में

फूल रहे, नीम, इमली, शहतूत, तेंदू, कैंथा, अनार
बेर, आंवला, जामुन, चिरौंजी, चन्दन ले रहे आकार
बरगद, पीपल, कदंब पर घोंसला बनाने चिड़ियां हैं तैयार

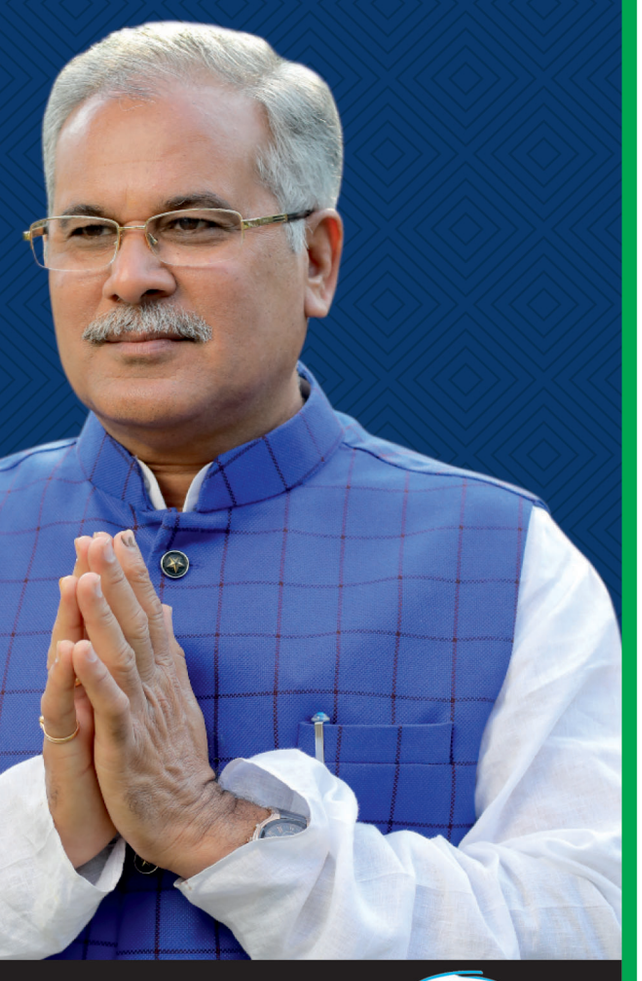

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-38372/58

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950